हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024 वर्ष : 5, अंक : 170 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2.00 रु web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

विजय दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी समेत अनेक नेताओं ने दी जवानों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आज देश 1971 की जंग में मिली जीत का विजय दिवस मना रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने 1971 के जंग में शामिल जवानों को श्रद्धांजलि दी है। साथ ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों को सलामी पेश की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वीर सैनिकों की शहादत को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि विजय दिवस पर मैं उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं, जिन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत को विजय दिलाई। राष्ट्र हमारे वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया है। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे देश की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से समाया रहेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर ट्वीट कर कहा- देश जवानों के बलिदान और सेवा को कभी नहीं भूलेगा। आज विजय दिवस के खास मौके पर भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान को सलाम करता हूं। उनके अटूट साहस और देशभक्ति ने सुनिश्चित किया कि हमारा देश सुरक्षित रहे। भारतीय वायु सेना ने भी एक्स पर एक पोस्ट में 16 दिसंबर को समाप्त हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने पोस्ट में लिखा 1971 का भारत-पाक युद्ध 16 दिसंबर 1971 को लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी के बिना शर्त आत्मसमर्पण के साथ खत्म हुआ, जो एक स्वतंत्र बांग्लादेश के जन्म का प्रतीक था। यह ऐतिहासिक क्षण एक समन्वित सैन्य प्रयास के माध्यम से हासिल किया गया था, जिसमें भारतीय वायु सेना ने 13-दिवसीय संघर्ष में त्वरित और निर्णायक परिणाम तय करने में अहम भूमिका निभाई, जिसे उपयुक्त रूप से बिजली युद्ध कहा गया कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर विजय दिवस के मौके पर देश के वीरों को याद किया। उन्होंने लिखा कि विजय दिवस के गौरवशाली अवसर पर हमारे सशस्त्र बलों के शौर्य, समर्पण और संकल्प को नमन करता हूं। भारत की संप्रभुता की रक्षा करते हुए बांग्लादेश को अन्याय से मुक्त करवाने वाले, 1971 के युद्ध के सभी वीरों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को देश सदा याद रखेगा।

अपनी कुर्सी बचाने के लिए कानून में संशोधन करना कांग्रेस का असली संविधान विरोधी चेहरा : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर लोकसभा में दो दिन हुई चर्चा के बाद सोमवार को राज्यसभा में संविधान के महत्व और विरासत पर दो दिवसीय चर्चा शुरू हुई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा की शुरूआत की, जबकि पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव 17 दिसंबर को इसका समापन करने वाले हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने राज्यसभा में कहा, हमारे संविधान के 75 साल पूरे होने के ऐतिहासिक मौके पर मुझे यह अवसर देने पर मैं बहुत सम्मानित और विनम्र महसूस करती हूं। मैं संविधान सभा के सभी 389 सदस्यों विशेष रूप से उन 15 महिलाओं को श्रद्धांजलि देकर शरूआत करती हूं, जिन्होंने तीन साल से भी कम समय में भारत के संविधान को बहुत ही चुनौतीपूर्ण माहौल में तैयार करने की कठिन चुनौती का सामना किया। आज हमें इस बात पर बेहद गर्व है कि भारत का लोकतंत्र कैसे बढ़ रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला ने कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 50 से अधिक देश स्वतंत्र हो गए थे और उनका अपना संविधान था। लेकिन कई देशों ने अपने संविधान में बदलाव किया, न केवल संशोधन किया बल्कि अपने संविधान की पूरी विशेषता को ही पूरी तरह बदल दिया। लेकिन हमारा संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा है और निश्चित रूप से इसमें कई संशोधन हुए हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान का कितना दुरुपयोग किया, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि नेहरू विरोधी कविता के लिए मशहूर गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी और अभिनेता बलराज साहनी को जेल जाना पड़ा था। न्यायपालिका को दबाने के लिए कांग्रेस ने संविधान में कई संशोधन किए। लेकिन आज जब कांग्रेस न्यायपालिका की स्वतंत्रता की बात करती है, तब हमें हंसी आती है। कैसे 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। अपनी कुर्सी बचाने के लिए अदालत का फैसला आने से पहले कानून में संशोधन करना कांग्रेस का असली संविधान विरोधी चेहरा रहा है। एक विशेष परिवार को बचाने के लिए संविधान में कई बार संशोधन हुआ है। कांग्रेस ने नियमों का उल्लंघन कर कानून बदला और लोकसभा का कार्यकाल 6 साल कर दिया। तब पूरे विपक्ष को जेल में डाला गया था। इसके बाद यह सब बदलाव हुआ। एक लोकतांत्रिक देश में इस घटनाओं को जायज नहीं ठहराया जा सकता। वित्त मंत्री ने कहा कि इस देश के पहले प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार पर प्रेस की निगरानी की निंदा की, जबकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रेस की स्वतंत्रता की प्रशंसा की। इसमें कोई संदेह नहीं है। संविधान को अपनाने के एक साल के भीतर ही कांग्रेस द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए पहला संवैधानिक संशोधन लाया गया। वहीं कांग्रेस ने मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता पाने के उनके अधिकार से वंचित किया। उन्होंने कहा कि साल 1950 में सुप्रीम कोर्ट ने कम्युनिस्ट पत्रिका क्रॉस रोड्स और आरएसएस की पत्रिका ऑर्गनाइजर के पक्ष में फैसला सुनाया था, लेकिन इसके जवाब में तत्कालीन अंतरिम सरकार ने इनकी स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए संविधान में संशोधन किया।

एक नजर

नेहरू से जुड़े ऐतिहासिक पत्र जो सोनिया गांधी के पास हैं वह वापस करें

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी (पीएमएमएल) के सदस्य रिजवान कादरी ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर कहा कि जवाहर लाल नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के 51 डिब्बे लौटाए जाएं। कादरी ने उन अहम दस्तावेजों की वापसी में राहुल गांधी की मदद मांगी है, जो जवाहरलाल नेहरू से जुड़े हैं और सोनिया गांधी के पास रखे हैं। कादरी का आरोप है कि यूपीए के शासनकाल में 2008 में 51 डिब्बों में भर कर नेहरू के व्यक्तिगत पत्र सोनिया गांधी को दिए गए थे। नेहरू ने ये पत्र एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसिफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद बल्लभ पंत आदि को लिखे थे। पीएमएमएल के सदस्य रिजवान कादरी ने दस दिसंबर को राहुल गांधी को पत्र लिखा था. इससे पहले उन्होंने सितंबर में सोनिया गांधी को भी पत्र लिखा था. 1971 में नेहरु मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लाइब्रेरी को दिए थे पीएमएमएल का मानना है कि ये ऐतिहासिक दस्तावेज हैं और इन तक पहुंच जरुरी है। ये पत्र जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल ने 1971 में नेहरु मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लाइब्रेरी को दिए थे। अब राहुल गांधी से कहा गया है कि या तो सोनिया गांधी से ओरिजनल पत्र दिलवाएं या फिर इनकी फोटोकॉपी या डिजिटल कॉपी दिलवाई जाए। पत्र में कहा गया है, हम समझते हैं कि ये दस्तावेज नेहरू परिवार के लिए व्यक्तिगत महत्व रखते होंगे। पीएमएमएल का मानना है कि इन ऐतिहासिक सामग्रियों को ज्यादा व्यापक रूप से सुलभ बनाने से विद्वानों और शोधकताओं को बहुत लाभ होगा। इतिहासकार, लेखक रिजवान कादरी ने कहा कि सितंबर 2024 में मैंने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि 2008 में नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय से वापस लिए गए 51 बक्से संस्था को लौटाए जाएं। हमने कहा था कि हमें उन्हें देखने और स्कैन करने की अनुमति दी जाए या उनकी एक कॉपी हमें दी की जाए ताकि हम उनका अध्ययन कर सकें। कादरी ने कहा कि एडविना माउंटबेटन और भारतीय इतिहास से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण पत्रों सहित कई महत्वपूर्ण पत्र वहां थे। चूंकि उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। मैंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से उन्हें वापस लाने में हमारी मदद करने का अनुरोध किया है। हमें उम्मीद है कि वे इस पर गौर करेंगे और इसे शोधकताओं के लिए उपलब्ध कराएंगे। बता दें बीते दिनों पीएमएमएल सोसाइटी का कार्यकाल कुछ महीनों के लिए बढ़ाया गया था। 4 नवंबर को कार्यकाल खत्म होने वाला था। पीएमएमएल के अध्यक्ष पीएम नरेंद्र मोदी और उपाध्यक्ष रक्षामंत्री राजनाथ सिंह हैं। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान, निर्मला सीतारमण, अनुराग ठाकुर जैसे केंद्रीय मंत्री इसके 29 सदस्यों में शामिल हैं।

बर्फीली हवाओं के चलते उत्तर भारत सहित दिल्ली एनसीआर में बढ़ी ठिठुरन

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के अधिकांश राज्यों में शीत लहर और ठिठुरन बढ़ी है। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में शीतलहर का आगाज हो चुका है। वहीं पहाड़ों पर बर्फबारी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने कई जगहों पर ठंड और शीतलहर की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में बारिश के आसार हैं। आईएमडी के अनुसार कल तमिलनाडु और अंडमान निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। जानिए कल कहां कैसा मौसम रहेगा। अगले हफ्तेभर तक दिल्ली में पारा ज्यादा नीचे जाने की संभावना नहीं है। लेकिन क्रिसमस के आसपास ठंड बढ़ेगी जो नए साल तक जारी रहेगी। अगले हफ्ते दिल्ली में शीतलहर चलने की संभावना नहीं है, लेकिन ठिठुरन लोगों को परेशान करेगी। दिन में धूप खिलने से लोगों को राहत मिलेगी। कल दिल्ली में अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री और न्यूनतम 6 से 7 डिग्री रह सकता है। कश्मीर में भीषण शीतलहर से राहत घाटी में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने से कश्मीर में शीतलहर से थोड़ी राहत मिली है। हालांकि पारा अभी भी 0 से नीचे बना हुआ है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 3।4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो पिछली रात के शून्य से 4।6 डिग्री सेल्सियस नीचे से बेहतर है। मौसम विभाग के अनुसार 21 दिसंबर तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि अगले तीन दिनों के दौरान घाटी में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने तथा कई स्थानों पर शीत लहर चलने का अनुमान है।

कांग्रेस सांसद टैगोर ने सेना मुख्यालय से युद्ध की तस्वीर हटाने को लेकर दिया स्थगन

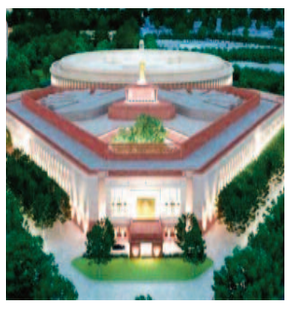

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सेना मुख्यालय, नई दिल्ली से 1971 के युद्ध की तस्वीर हटाने पर चर्चा के लिए सोमवार को लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने यह भी रेखांकित किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1971 की जीत भारत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण सैन्य विजयों में से एक है। इस प्रतिष्ठित तस्वीर को हटाना इसके महत्व को कम करने और हमारी सामूहिक स्मृति से इसकी विरासत को मिटाने का एक प्रयास है। इसके अलावा उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह तस्वीर को तुरंत उसकी मूल स्थिति में बहाल करें। टैगोर ने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी सरकार से आग्रह करता हूं कि वह 1971 के आत्मसमर्पण की तस्वीर को तुरंत उसकी मूल स्थिति में बहाल करें और यह सुनिश्चित करें कि इतिहास संशोधनवाद के ऐसे कृत्य दोहराए न जाएं। हमारे इतिहास, हमारी जीत और हमारे सशस्त्र बलों के बलिदान को अत्यंत सम्मान और गरिमा के साथ संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से इस पर एक स्वतंत्र समिति गठित करने की भी मांग की। कांग्रेस सांसद ने कहा, इसके अलावा मैं सरकार से सभी दलों के सांसदों के साथ एक स्वतंत्र समिति गठित करने का आह्वान करता हूं, जो ऐसे ऐतिहासिक प्रतीकों को हटाने के पीछे के कारणों की जांच करें और हमारी राष्ट्रीय विरासत की रक्षा और संरक्षण के उपायों की सिफारिश करें। इस समिति को सभी क्षेत्रों में अतीत, वर्तमान और भविष्य में इसी तरह की घटनाओं की भी जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय सुझाने चाहिए कि हमारे इतिहास के साथ किसी भी तरह से छेड़छाड़ न हो। हर साल 16 दिसंबर को भारत 1971 के भारत-पाक युद्ध में अपनी निर्णायक जीत की याद में विजय दिवस (विजय दिवस) मनाता है, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ। 1971 के युद्ध के दौरान 3,900 भारतीय सैनिकों की मृत्यु हुई और 9,851 घायल हुए थे

उद्धव और राज समझ गए बंटेंगे तो कटेंगे- दोनों भाईयों में बन रही सुलह की संभावना

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव में बंटेंगे तो कटेंगे का नारा खूब उछला था। किसी ने इस नारे पर भरोसा किया हो या न किया हो। पर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर इसका प्रभाव जरुर दिखाई देता नजर आ रहा है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले बीएमसी चुनाव में दोनों भाई साथ आ सकते हैं। हाल ही में एक पारिवारिक कार्यक्रम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे की एंट्री ने परिवार में सुलह के संकेत दिए हैं। इस कार्यक्रम में शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे भी पहुंचे थे। हालांकि, इसे लेकर दोनों ही नेताओं ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। दरअसल, रविवार को उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे के भांजे शौनक पातंकर की शादी में राज पहुंचे थे। इसके साथ ही अटकलें शुरू हो गईं कि दोनों भाई सियासी मैदान में हाथ मिला सकते हैं। बांद्रा पश्चिम के ताज लैंड्स एन्ड में हुए कार्यक्रम में कई बड़े राजनेता पहुंचे थे। चचाएं हैं कि राज और उद्धव मतभेद भुलाकर आगामी निकाय चुनाव के लिए साथ आ सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ही दलों के कार्यकर्ता सुलह की बात पर जोर दे रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि दोनों नेताओं का साथ आना मराठी मतों को एकजुट कर सकता है। सूत्रों ने बताया कि राज के शादी समारोह में पहुंचने को उद्धव की तरफ से शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि राज समारोह के दौरान रश्मि और उनकी मां से मिले थे। हालांकि, उनकी मीटिंग आदित्य ठाकरे से नहीं हो सकी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच जारी सियासी तनातनी मराठी वोट बंटने का कारण बन रही है। राज और उद्धव आंतरिक कलह के चलते साल 2006 में अलग हो गए। राज ने मनसे का गठन किया। वहीं, उद्धव को अविभाजित शिवसेना की कमान मिली थी।

विवादित बयान देने वाले जस्टिस शेखर यादव पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश बहुसंख्यकों के हिसाब से चलेगा वाला बयान देकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव विवादों में घिर गए हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी उन पर शिकंजा कस दिया है। हंगामा होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर बड़ा एक्शन लिया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस शेखर कुमार यादव को पेश होने के लिए समन भेजा है। जस्टिस शेखर कुमार यादव को अपने विवादास्पद बयान पर स्पष्टीकरण देने को भी कहा गया है। गौरतलब है कि जस्टिस शेखर कुमार यादव ने विश्व हिंदू परिषद की लीगल सेल की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में विवादास्पद बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि देश का कानून बहुसंख्यकों की इच्छा के मुताबिक चलेगा। सूत्रों के हवाले से बताया कि देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाला कॉलेजियम इस मामले पर जल्द ही सुनवाई करेगी। खबरों के मुताबिक शीर्ष अदालत के शीतकालीन अवकाश यानी 17 दिसंबर से पहले सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर विचार विमर्श करेगी। इससे पहले 10 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने बयान से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट से रिपोर्ट मांगी थी।

केजरीवाल ने भाजपा नीत केंद्र पर महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी) : आप सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहने का आरोप लगाया। त्यागराज स्टेडियम में 'महिला अदालत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि भाजपा के विपरीत, जो महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देती, उनकी सरकार ने अपने सभी वादे पूरे किए हैं। केजरीवाल ने कहा, दस साल पहले आपने मुझे दिल्ली में स्कूल, अस्पताल और जलापूर्ति बेहतर करने की जिम्मेदारी दी थी और मैंने अपना काम किया। लेकिन आपने सुरक्षा की जिम्मेदारी भाजपा और अमित शाह को दी, जो विफल रहे।

यह सिर्फ शतरंज की बात नहीं है, इसमें भावनात्मक दबाव भी बहुत है: विश्व खिताब पर गुकेश

चेन्नई (एजेंसी) : भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सोमवार को कहा कि उनका इतिहास रचने वाला विश्व खिताब सिर्फ शतरंज बोर्ड पर अच्छी रणनीति का नतीजा नहीं था। उन्होंने इसका श्रेय मानसिक कंडीशनिंग कोच पैडी अप्टन को दिया, जिन्होंने उन्हें सबसे बड़े मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के भावनात्मक दबाव को कम करने में मदद की। चीन के डिंग लीरेन को हराकर विश्व खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने 18 वर्षीय गुकेश का सोमवार को यहां उत्साही प्रशंसकों और अधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। गुकेश ने अपने बचपन के स्कूल वेलाम्मल विद्यालय द्वारा आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा, विश्व चैंपियनशिप में केवल शतरंज ही मायने नहीं रखता। इसमें काफी मानसिक और भावनात्मक दबाव होता है। पैडी की शिक्षाओं ने मुझे इस संबंध में मदद की।

ईवीएम को लेकर उमर अब्दुल्ला के बदले स्वर, गठबंधन में मतभेद?

नई दिल्ली,(एजेंसी)। ईवीएम को लेकर अब गठबंधन में मतभेद सामने आ गए हैं। कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की ईवीएम पर टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम बनने के बाद गठबंधन सहयोगियों के प्रति उनके दृष्टिकोण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीएम उमर ने कहा कि आपको ईवीएम से दिक्कत कैसे हो सकती है और फिर भी आप चुनाव लड़ते रहें। अगर आपको ईवीएम पर भरोसा नहीं है, तो आपको चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। आप यह नहीं कह सकते कि अगर मैं जीत गया तो चुप रहूंगा और हार गया तो ईवीएम में कुछ गड़बड़ है। कांग्रेस ने कहा कि समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) ने ईवीएम के खिलाफ बात की थी, क्योंकि उन्होंने वोटिंग पद्धति पर पार्टी के रुख पर सवाल उठाने के लिए सहयोगी उमर अब्दुल्ला पर पलटवार किया। सोमवार को तीखे शब्दों वाले पोस्ट में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला को ट्वीट कर कहा कि यह समाजवादी पार्टी, एनसीपी और शिवसेना यूबीटी हैं जिन्होंने ईवीएम के खिलाफ बात की है। कृपया अपने तथ्यों की जांच करें। उमर अब्दुल्ला ने एक साक्षात्कार में कांग्रेस की आपत्ति को खारिज करते हुए कहा कि वोटिंग मशीनें केवल तभी समस्या नहीं हो सकतीं जब आप चुनाव हार जाते हैं। अब्दुल्ला ने एक साक्षात्कार में कहा कि जब आपके 100 से ज्यादा सांसद एक ही ईवीएम का उपयोग करते हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हैं, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि हमें ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव परिणाम उस तरह से नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं। उमर ने अपना खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि जब वे इस साल की शुरूआत में लोकसभा चुनाव हार गए थे, तो उन्होंने कभी भी ईवीएम को दोष नहीं दिया। इस मौके का फायदा उठाते हुए बीजेपी ने सीएम उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी का इस्तेमाल कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधने के लिए किया। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस के जीतने पर ईवीएम अच्छी नहीं हो सकती और हारने पर खराब। राहुल गांधी लगातार हारे हुए व्यक्ति की तरह दिख रहे हैं, जिनके साथ कोई खड़ा नहीं होना चाहता।

फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए प्रियंका 'फिलिस्तीन' लिखा बैग लेकर संसद पहुंचीं

नई दिल्ली (एजेंसी) : फिलिस्तीन के लोगों के प्रति समर्थन प्रदर्शित करते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को संसद में एक बैग लेकर पहुंचीं जिस पर 'फिलिस्तीन' लिखा हुआ था। कांग्रेस महासचिव गाजा में इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं और फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त करती रही हैं।गांधी को एक हैंडबैग ले जाते हुए देखा गया जिस पर फिलिस्तीन शब्द और फिलिस्तीनी प्रतीक चिन्ह अंकित थे, जिसमें एक तरबूज भी शामिल था - जिसे फिलिस्तीनी एकजुटता का प्रतीक माना जाता है।

खास खबरे

ज्वेलरी दुकान से भीषण चोरी मामले में कोडरमा पुलिस को मिली बड़ी सफलता

दैनिक बिहार पत्रिका

कोडरमा। ज्वेलरी दुकान में हुई भीषण चोरी कांड का कोडरमा पुलिस ने उद्वेदन कर लिया है ।चोरी की ज्वेलरी के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिला के डोमचांच व चंदवारा में ज्वैलरी दुकान में हुए चोरी कांड का उद्भेदन किया हैं। पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया हैं जबकि चोरी के जेवरात खरीदने वाले एक ज्वैलरी दुकानदार को भी पुलिस ने रंगे हाथ दबोचा हैं। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देशी कट्टा, एक पिस्टल 6 जिंदा कारतूस व चोरी के गला हुआ 45 ग्राम सोना व 900 ग्राम चांदी बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस चोरी कांड में संलिप्त अन्य अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही हैं।

समस्तीपुर निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर की बंगलौर मे संदिग्ध मौत, परिवार मे मचा कोहराम

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। नगर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर वार्ड 36 निवासी सेवानिवृत रेलकर्मी दिनेश राय के 34 वर्षीय पुत्र रवि कुमार की बंगलुरु में संदेहास्पद स्थिति में शनिवार को मौत हो गई। सोमवार को मृतक का शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि रवि पेशे से एक साफ्टवेयर इंजीनियर थे। पिछले करीब चार साल से बंगलुरु में रहकर ऑनलाइन इक्जाम सेंटर में काम करते थे। शनिवार को अचानक बंगलुरु में स्थानीय पुलिस के द्वारा जानकारी दी गई कि रवि की मौत हो गई है। बंगलुरु के यलहका में आरएमजेड गलेरिया अपार्टमेंट के नीचे उसका शव बरामद हुआ। पिछले कई साल से रवि बंगलुरु में अपने कुछ परिचित दोस्तों के साथ एक किराए के कमरा में रहता था। परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। मृतक के दोस्तों पर हत्या का शक जताया है। आसपास के लोगों ने बताया कि रवि शांत और सुशील प्रवृति का व्यक्ति था। किसी से कोई विवाद नहीं था। घटना से लोग हतप्रभ है।

डबल मर्डर का एसपी ने लिया घटना स्थल का जायजा

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के एसपी अशोक मिश्र ने सोमवार की सुबह हेमनपुर गांव स्थित घटना स्थल डिहवारिणी स्थान का जायजा लिया। साथ ही मृतक के परिजनों से मिलकर उनका अलग अलग बयान भी लिया। दोनों पक्षों को शांति व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश भी दिया। इस दौरान एसपी ने घटना स्थल को बारिकी से अध्ययन किया। पुलिस अधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। एसपी अशोक मिश्र ने बताया कि हमारी पहली प्राथमिक शांति व्यवस्था कायम रखना है। उन्होंने कहा कि हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस तत्पर है।

सिमरी बख्तियारपुर में रेल की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। रेल मंडल के सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन पर रेलवे परिक्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत, समपार संख्या 16 और 17 के मध्य तथा माल गोदाम के आसपास के क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया ।इस अभियान के दौरान, लगभग 8500 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया, जो कि एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस

अभियान के तहत 145 से अधिक दुकानों तथा झोपड़ियों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। इस अभियान को सफलतापूर्वक चलाने के लिए, तीन जेसीबी मशीनों को कार्य में लगाया गया था। इस अतिक्रमण मुक्ति अभियान के दौरान विधि व्यवस्था हेतु सिमरी बख्तियारपुर के अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी तथा स्थानीय थाने की पुलिस भी उपस्थित थी ताकि इस अभियान की निगरानी की जा सके.यह अभियान रेलवे परिक्षेत्र को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा होगी, बल्कि यह यात्रियों के लिए भी सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएगा।

लंबित पत्रों के तुरंत निष्पादन करने का दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ सोमवार को 10:30 बजे पूर्वाहन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा विभिन्न कार्यालयों में लंबित पत्रों के निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की गई तथा काफी दिनों से लंबित पत्रों के तुरंत निष्पादन करने का निर्देश दिया गया ।उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त, बांका, अपर समाहर्ता , बांका, अपर समाहर्ता विभागीय जांच, बांका, अनुमंडल पदाधिकारी, बांका, जिला परिवहन पदाधिकारी, बांका, विशेष कार्य पदाधिकारी, बांका , पुलिस उपाधीक्षक(मुख्यालय), बांका, जिला योजना पदाधिकारी, बांका सहित अन्य वरीय जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

अल्ट्राटेक अंतदेर्शीय जलमार्गों का इस्तेमाल कर सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन को दे रही बढ़ावा

दैनिक बिहार पत्रिका

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी सीमेंट और रेडी-मिक्स कंक्रीट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत राष्ट्रीय जलमार्ग (नेशनल वॉटरवे) 1 (गंगा भागीरथी-हुगली रिवर सिस्टम) के माध्यम से खनिज जिप्सम की एक बड़ी खेप की ढुलाई के लिए अंतदेर्शीय जलमार्गों का इस्तेमाल कर रही है। अल्ट्राटेक इतने बड़े पैमाने पर जिप्सम की ढुलाई के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग 1 का इस्तेमाल करने वाली भारत की पहली सीमेंट कंपनी है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने जी. आर. जेट्टी कोलकाता से इस पायलट मुवमेंट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पायलट प्रोजेक्ट में अल्ट्राटेक की भागीदारी को इनलैंड वाटरवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईडब्ल्यूएआई) और इनलैंड एंड कोस्टल शिपिंग लिमिटेड का समर्थन मिला जो शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी है। इस खेप को पश्चिम बंगाल के हल्दिया बंदरगाह से गंगा-भागीरथी-हुगली रिवर सिस्टम के जरिए बिहार के पटना स्थित गायघाट टर्मिनल भेजा जा रहा है. यह खेप बिहार के पटना जिले में स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट की ग्राइंडिंग यूनिट पाटलीपुत्र सीमेंट वर्क्स को भेजी जा रही है। सड़क मार्ग और रेलवे के स्थान पर अंतदेर्शीय जलमार्ग के इस्तेमाल से कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी। इसके साथ-ही-साथ सड़क और रेलमार्ग पर भी भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। इस पायलट में अल्ट्राटेक की भागीदारी से अंतदेर्शीय जलमार्ग के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के भारत सरकार के प्रयासों को मदद मिल रही है। यह परियोजना भारत सरकार के संशोधित कार्गो मुवमेंट पॉलिसी के चलते संभव हो पाई है, जो मैरिटाइम इंडिया विजन 2030 और मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के अनुरूप है। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर के सी झंवर ने कहा, अल्ट्राटेक के टिकाऊ (सस्टेनेबल) लॉजिस्टिक प्रैक्टिस की दिशा में आगे बढ़ने में नए और नवोन्मेषी परिवहन समाधान (इनोवेटिव ट्रांसपोर्ट सॉल्यूशन) की अग्रणी भूमिका है। इस पायलट के माध्यम से हमें मैरिटाइम इंडिया विजन 2030 और मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के अनुरूप अंतदेर्शीय जलमार्ग के इस्तेमाल को बढ़ावा देने को लेकर भारत सरकार के साथ साझेदारी करते हुए गर्व हो रहा है। राष्ट्रीय जलमार्ग (नेशनल वाटरवे) 1 के जरिए ये पायलट मुवमेंट 2050 तक नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्रीन लॉजिस्टिक्स के प्रति अल्ट्राटेक की प्रतिबद्धता को दिखाता है। अप्रैल 2023 में अल्ट्राटेक ने अपनी तरह की पहली पहल के तहत ओडिशा के पारादीप बंदरगाह से अमरेली, गुजरात में स्थित अल्ट्राटेक की इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट तक 57,000 मीट्रिक टन फॉस्फोजिप्सम की ढुलाई के लिए अंतदेर्शीय और तटीय जलमार्गों का इस्तेमाल किया था। अपने टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला ढांचा (सस्टेनेबल सप्लाई चेन फ्रेमवर्क) के अनुसार, अल्ट्राटेक का लक्ष्य एक लचीली सप्लाई चेन विकसित करना है जो कंपनी के कारोबार में सहायक सिद्ध हो और जोखिम कम करे।

बीच सड़क पर धू धू कर जलता रहा वैन

दैनिक बिहार पत्रिका/डेहरी

रोहतास। डालमियानगर थाना क्षेत्र के चावल मंडी के समीप सड़क पर एक वैन में उस वक्त आग लग गई, जब उक्त समय मुख्य सड़क पर कुछ स्कूली वाहन का आवागमन हो रहा था। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह थी कि वैन में चालक के अलावे कोई अन्य व्यक्ति नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जाता है, कि दुर्गा मंदिर चावल मंडी के समीप गैरेज जा रहा एक वैन में अचानक आग लग गई। अचानक चलती वैन में आग लगने की घटना से बीच सड़क पर ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। देखते ही देखते वाहन धू धू कर जलने लगा। लोगों ने इसकी सूचना दूरभाष से फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया, तबतक वैन पूरी तरह से जल चुकी थी। वैन का ड्राइवर वाहन छोड़ कर फरार हो गया। चालक मुस्लिम अंसारी ने बताया कि वैन को सुबह गैराज में सर्विस के लिए ले जाया जा रहा था, तभी शॉर्ट सर्किट से आग लग लग गई। इस दौरान अफरातफरी का माहौल बन रहा। कुछ देर तक सड़क पर वाहनों का आवागमन बाधित रहा। थानाध्यक्ष खुशी राज ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है, मामले की जांच की जा रही है, किसी भी तरह की हताहत की सूचना नहीं है।

दलाई लामा के जन्मदिवस पर बोधगया में तीन दिवसीय विशेष सुत्तपाठ

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। बौद्धों के शीर्ष धर्मगुरु 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस के अवसर पर बोधगया के वटपा बौद्ध मठ में तीन दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ विनय का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ कई देशों के भिक्षुओं द्वारा सूत्र पाठ से किया गया। इसमें थाई, तिब्बतियन, सिंहली जापान, म्यांमार और वियतनामी भाषा में सूत्त पाठ कर विश्व शांति और कल्याण की कामना की गई। इसका आयोजन सेरा जय मोनिस्टिक इंस्टीट्यूट आफ साउथ इंडिया द्वारा बुद्धिस्ट थाई भारत सोसायटी के तत्वावधान में किया जा रहा है। इस मौके पर समारोह को संबोधित करते हुए बीटीएमसी के सदस्य सचिव डॉ महाश्वेता महारथी ने कहीं कि विनय का अभ्यास बौद्ध मठों के अनुयायियों के अनुशासन का पाठ है। जीवन में अनुशासन का बड़ा महत्व है चाहे वह गृहस्थ जीवन हो या भिक्षु का जीवन। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि डॉ दादुल दोरजी ने कहा कि विनय को समझना आसान है लेकिन इसके मार्ग पर चलना आसान नहीं है। इसलिए भगवान बुद्ध ने अपने उपदेश में अनुयायियों से कहा है कि इसका निरंतर अभ्यास करते रहें। कार्यक्रम के आरम्भ में वटपा बौद्ध मठ के महासचिव डॉ रत्नेश्वर चकमा ने कई देशों से आए बौद्ध विद्वानों और भिक्षुओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भगवान की बुद्ध के उपदेश को हम तभी समझ सकते हैं जब हमारे मन में विनय और करुणा का भाव होगा ।उन्होंने कहा कि इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस में भारत, श्रीलंका, कंबोडिया, लाओस, वियतनाम, जापान, म्यांमार, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप आदि देशों के बौद्ध विद्वान, भिक्षु एवं भिक्षुणी भाग ले रहे हैं। हम उन सभी अतिथियों का हृदय से स्वागत करते हैं। वटपा बौद्ध मठ के प्रमुख भिक्षु डॉ फ्रा बोधिनंदामुनि, सेरा जय मॉनेस्ट्री के मुख्य प्रशासक गेसे ग्वांग जंगचूक, मुख्य भिक्षु गेसे ताशी सेथर आदि ने प्रथम सत्र को संबोधित किया। इस मौके पर बोधगया के विभिन्न देसी विदेशी बौद्ध मठ के भिक्षु, महाबोधि मंदिर के भिक्षु डॉ मनोज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उप विकास आयुक्त ने कचरा प्रबंधन इकाई का किया समीक्षात्मक बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। उप विकास आयुक्त समस्तीपुर संदीप शेखर प्रियदर्शी द्वारा अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत विभिन्न पंचायत में निर्मित कचरा प्रबंधन इकाई (वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट हढव) की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा विभिन्न पंचायतों में कार्यरत कचरा उठाव से संबंधित ई-रिक्शा एवं पेडल रिक्शा के माध्यम से हो रही उठाव की समीक्षा बैठक की गई तथा निर्देश दिया गया कि प्रतिदिन कचरा उठाव से संबंधित जियोटैग फोटोग्राफ उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट्स तक कचरा पहुंचने के पश्चात ई रिक्शा एवं पेडल रिक्शा के साथ फोटोग्राफ खींचते हुए ग्रुप पर अपलोड किया जाए जिससे इसकी प्रॉपर मॉनिटरिंग की जा सके ।इसके अतिरिक्त प्रत्येक परिवारों से प्रोसेसिंग चार्ज वसूलने की कार्रवाई की जाए । उप विकास आयुक्त समस्तीपुर द्वारा बताया गया कि अब तक लगभग एक करोड रुपए की वसूली की गई है जिसमें निरंतर प्रगति जारी है ।बैठक में जिला समन्वयक मोहम्मद हसनैन, कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा सहित सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र में 4 करोड़ का साइबर फ्रॉड करने वाली आरोपी महिला बिहार से गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। 4 करोड़ 6 लख रुपए की साइबर ठगी के आरोपी सानिया उर्फ गुड़िया उर्फ सोफिया सिद्दीकी को गोपालगंज के लोहार पट्टी गांव से गिरफ्तार कर लिया गया है। गोपालगंज पुलिस की सहायता से महाराष्ट्र से आई पुलिस ने सोफिया को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तारी के बाद उसे भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है क्योंकि इससे पहले सोफिया फरवरी माह में हरियाणा से गिरफ्तार हुई थी और महाराष्ट्र ले जाने के दौरान रास्ते में ही फरार हो गई थी, उसे समय हरियाणा से महाराष्ट्र ले जा रही पुलिस की टीम को निलंबित कर दिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सोफिया पर पुणे में 4 करोड़ 6 लाख रुपये की साइबर ठगी का आरोप है। उस पर न्याति इंजीनियर्स एंड कंसल्टेंट्स कंपनी से धोखाधड़ी कर 4 करोड़ 6 लाख रुपये ठगने का आरोप है। कंपनी के जीएम सागर जयंतीलाल बोरा ने पुणे साइबर थाने में ऋक्ष्फ दर्ज कराई थी। महाराष्ट्र पुलिस ने फरवरी में हरियाणा के मुरादाबाद से उसे गिरफ्तार किया था। लेकिन पुणे ले जाते समय दुरंतो एक्सप्रेस से कूदकर फरार हो गई थी। इसके बाद एक अधिकारी समेत छह पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया था। करीब 10 महीना बाद बिहार के गोपालगंज से सोफिया की फिर से गिरफ्तारी हुई है

समस्तीपुर आरएमएस का आइसीएच दर्जा समाप्त

***मुजफ्फरपुर से जुड़ा , कर्मियों का अलग-अलग स्थानों पर ट्रांसफर

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर! डाक निदेशालय के आदेश के आलोक में समस्तीपुर आरएमएस का आईसीएच (इंफ्रा सर्किल हब) का दर्जा समाप्त कर मुजफ्फरपुर आएमएस से जोड़ दिया गया है। डाक निदेशालय के जारी आदेश के आलोक में पोस्टमास्टर जेरल उत्तर क्षेत्र ने समस्तीपुर आरएमएस का आईसीएच का दर्जा समाप्त किया। उसके बाद यहां कार्यरत कर्मियों का दरभंगा, सहरसा व बरौनी समेत अन्य जगह स्थानांतरण कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, जिन संवर्ग के कर्मचारियों का समस्तीपुर से स्थानांतरण किया गया है, उनमें 16 छंटाई सहायक, 2 लोअर सेलेक्शन ग्रेड कर्मी, 4 मल्टी टास्किंग स्टाफ शामिल हैं। समस्तीपुर आएमएस में अब 10 कर्मचारी ही बच गये हैं। इससे अब समस्तीपुर से भेजा गया रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट विलंब से गंतव्य पर पहुंचेगा। वहीं समस्तीपुर में बाहर से आने वाला पत्र भी लोगों को मिलने में विलंब होगा। समस्तीपुर रेलवे का मंडल मुख्यालय होने के साथ साथ उत्तर बिहार के एक प्रमुख जिला में शामिल है ।इस जिले में समस्तीपुर व उजियारपुर के अलावा खगड़िया लोकसभा का भी क्षेत्र आता है। चार अनुमंडल व बीस प्रखंड भी है। इसके अलावा बेगूसराय जिला के चार उप डाकघर भी समस्तीपुर आएमएस से जुडे हुए थे। जिसमें बेगूसराय जिले का मेघौल, बखरी बाजार, सकरपुरा व गढ़पुरा उप डाकघर शामिल है। इन सभी जगहों पर अच्छी खासी व्यावसायिक गतिविधियां भी चलती है। जिससे लोग बड़ी संख्या में रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट के माध्यम से अपना जरूरी कागजात दूरदराज के शहरों में भेजते हैं। यह रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट पहले 24 घंटे के अंदर गंतव्य तक पहुंचता था, लेकिन अब यहां से सभी मुजफ्फरपुर आएमएस जाएंगे जहां रेकार्ड मेंटन के बाद गंतव्य तक जाएगा ।आरएमएस के सूत्रों की माने तो अब समस्तीपुर से भेजा जाने वाला रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट कम से कम 72 घंटे बाद ही गंतव्य तक पहुचेगा। वह भी तब जब मुजफ्फरपुर आरएमएस समय पर प्रकिया पूरा करेगा। लेकिन काम के बोझ के कारण समय पर प्रक्रिया पूरा करना संभव नहीं होने पर 72 घंटे से अधिक समय लग सकता है। जानकारी के अनुसार, समस्तीपुर आएमएस में होने वाले रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट को भी एक साथ अटैच का दिया गया है। जबकि रजिस्ट्री के लिए 22 रुपये व स्पीड पोस्ट के लिए 42 रुपये शुल्क लिया जाता है। लेकिन दोनों सेवा को हैंडल करने की प्रक्रिया एक समान कर दी गयी है। इससे स्पीड पोस्ट करने वालों को भले ही भुगतान अधिक करना होगा, लेकिन उन्हें सेवा रजिस्ट्री वाली ही मिलेगी। यानि रजिस्ट्री की तरह ही स्पीड पोस्ट का भी ट्रीटमेंट होगा। एबी डिवीजन बरौनी के समस्तीपुर आरएमएस के अलावा यू डिवीजन मुजफ्फरपुर के नरकटियागंज और हाजीपुर आरएमएस, पीटी डिवीजन पटना में मोकामा और आरा तथा सी डिवीजन गया में जहानाबाद और डेहरी ऑन सोन आरएमएस का भी दर्जा समाप्त कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, सरकार के खर्च कम करने की कवायद के तहत जगह जगह स्थित आरएमएस का दर्जा समाप्त कर आसपास के आरएमएस से जोड़ा गया है। लेकिन इससे संबंधित जगह के लोगों को आरएमएस के माध्यम से मिलने वाली सुविधा पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।समस्तीपुर स्टेशन से देश के सभी प्रमुख व बड़े शहर के लिए ट्रेन की सीधी सेवा है। जिससे यहां से स्पीड पोस्ट व रजिस्ट्री छंटाई के बाद संबंधित जगह के लिए ही बैग बना आरएमएस कर्मी ट्रेन से भेजते थे। जिससे रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट के अलावा साधारण पत्र भी संबंधित शहर में जल्द चला जाता था। लेकिन वहीं पत्र या रजिस्ट्री और स्पीड पोस्ट समस्तीपुर से मुजफ्फरपुर आरएमएस जाएगा। वहां छंटाई के बाद संबंधित शहर के लिए भेजा जाएगा!

गोल्ड मेडल विजेता रोहित को किया गया सम्मानित

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर/ समस्तीपुर । उड़ीसा में संपन्न जूनियर नेशनल एथेलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रखंड को राष्ट्रीय फलक पर पहचान दिलाने वाले प्रखंड अंतर्गत गढ़सीसई पंचायत निवासी सुनील सिंह के पुत्र रोहित राज को समाजसेवी व बढ़ौना पैक्स अध्यक्ष कुणाल कुमार के द्वारा सम्मानित किया गया। रोहित के पैतृक आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कुणाल कुमार ने अंगवस्त्र, पाग, पुष्पमाला पहनाकर उन्ह सम्मानित किया। इस अवसर पर समाजवादी कुणाल ने रोहित राज को 12 हजार रुपए का चेक सौंपा। इस अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए कुणाल कुमार ने कहा कि रोहित राज ने जूनियर नेशनल एथेलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रखंड सहित संपूर्ण जिला का मान बढ़ाया है। हम सभी की कामना है कि 2026 में होने वाले यूथ ओलंपिक में रोहित राज स्वर्ण पदक विजेता बने। उन्होंने कहा कि रोहित को हर संभव मदद के लिए हम सभी तैयार है।

डबल मर्डर मामले में फॉरेंसिक विभाग की टीम ने घटनास्थल से संग्रह किया दर्जन भर सैंपल

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के करीमनगर पंचायत के हेमनपुर गांव में हुए डबल मर्डर कांड में पटना से पहुंचे फोरेंसिक विभाग की टीम में घटनास्थल और आसपास से करीब 12 से अधिक सैंपल जप्त किया है। फोरेंसिक विभाग की तीन सदस्य टीम ने करीब चार घंटे तक घटनास्थल पर मुआयना किया एवं सैंपल जब्त कर अपने साथ ले गई। इस बीच रविवार के देर शाम पटना से गौरव का शव पोस्टमार्टम के बाद थाना क्षेत्र के हेमनपुर गांव शव पहुंचने के बाद पारिवारिक सदस्यों के बीच कोहराम की स्थिति मच गई। गांव में शांति व्यवस्था को लेकर आधा दर्जन थाने की पुलिस कर रही है कैंप पाटीदारों के बीच हुई इस हिंसक घटना के बाद तनाव को देखते हुए गांव में मोहिउद्दीन नगर थाने के अलावा पटोरी, मोहनपुर हलई थाने के साथ ही जिला मुख्यालय से भारी संख्या में पुलिस फोर्स को गांव में कैंप कराया गया है। इसके अलावा आसपास के इलाकों में पुलिस की लगातार पेट्रोलिंग भी की जा रही है। उधर देर शाम तक इस मामले में किसी भी पक्ष द्वारा प्राथमिकी के लिए आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस पदाधिकारी का मानना है कि अंतिम संस्कार को लेकर परिवार के लोग व्यस्त हैं जिस कारण आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलते ही इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। बतलाया गया है कि नवीन सिंह गौरव और सौरव दोनों आपस में पाटीदार हैं। हालांकि दोनों परिवारों के बीच पूर्व से जमीनी विवाद को लेकर रंजीश चल रही थी। जिसके कारण यह घटना घटी है. इस घटना में करीम नगर पंचायत के उप सरपंच नवीन सिंह और अजय कुमार सिंह के पुत्र गौरव सिंह की मौत हो चुकी है.जबकि सौरव सिंह का इलाज पटना के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है.वही इस घटना पर डीएसपी बीरेंद्र कुमार मेधावी ने बताया कि इस घटना के बाद तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस कैंप कर रही है ।दोनों आपस में पाटीदार हैं और दोनों के बीच पूर्व से रंजीश चल रही है इस मामले में अभी किसी भी पक्ष द्वारा आवेदन नहीं मिला है आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभी पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है।

खास खबरे

पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का किया गया कार्य

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका । जिला पदाधिकारी, बांका के निर्देश पर ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल बांका -1 के अंतर्गत शंभूगंज प्रखंड में कुनथ से बीरनौधा पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का कार्य सोमवार को सहायक अभियंता सुनील दत्त के द्वारा किया गया है। पथ में ग्रेड क्कक्कका कार्य प्रगति पर है।

टॉप -40 यूरिया के क्रेताओं का सत्यापन अन्तर्गत जिले के 02 खुदरा उर्वरक विक्रेता हुए निलंबित

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। कृषि निदेशालय, बिहार, पटना का पत्रांक-उपा०को०-15/ डी०बी०टी० 03 / 2020 315 (उ०को०) दिनांक 14.08.2024 के आलोक में जिला अन्तर्गत 04 कृषकों द्वारा क्रय किए गए टॉप -40 यूरिया क्रेताओं का सत्यापन अनुमंडल, कृषि पदाधिकारी, बांका से कराई गई। जोंचोपरान्त उर्वरक प्रतिष्ठान द्वारा 01 किसान पर एक ही साथ 40 बोरी यूरिया से भी अधिक की मात्रा में पॉस मशीन से यूरिया विक्रय किया गया। नियमानुसार 01 किसान को उनके कृषि योग्य क्षेत्र के आधार पर 20 बोरी यूरिया से भी कम विक्रय करने का प्रावधान है। टॉप -40 यूरिया व अन्य उर्वरक क्रेताओं का क्रियान्वयन (जॉच आदि का कार्य जिला पदाधिकारी के लॉगईन से संचालित किया जाता है। सोमवार को टॉप -40 यूरिया क्रेताओं का सत्यापन प्रतिवेदन अपलोड किये जाने के क्रम में जिला पदाधिकारी के निदेशानुसार जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा 01. मेसर्स आदित्य कृषि केन्द्र, गुलनी, शम्भूगंज 02. बालमुकुन्द कृषि केन्द्र, रजौन को निलंबित किया गया। कृषकों एवं उर्वरक विक्रेताओं से अनुरोध है कि निर्धारित मात्रा में ही उर्वरक का क्रय-विक्रय करना सुनिश्चित करेंगे। यह कार्य निरन्तर जारी रहेगा।

गोगरी नगर परिषद कार्यालय में बोर्ड कमेटी की अध्यक्षता में लिए गए कई फैसले

दैनिक बिहार पत्रिका/ मो. साजिद

खगड़िया। जिले के गोगरी नगर परिषद कार्यालय में एक दिवसीय बोर्ड कमिटी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें की वार्ड संख्या 1 से वार्ड संख्या 36 के सभी वार्ड सदस्य मौजूद रहे । जिसकी अध्यक्षता कार्यपालक सोनी कुमारी के नेतृत्व में किया गया। जिसमें की सभी वार्डो के पार्षद ने एक-एक कर के नगर की समस्या से अवगत कराया । जिसमें बिजली, पानी,साफ सफाई का मुद्दा विशेष रूप से रखा गया। जिसमें की कार्यपाली सोनी कुमारी ने एक-एक करके सभी की समस्या को सुनी और नगर परिषद में बिजली की समुचित व्यवस्था सभी वार्डो के पोल पे जगमगाता रहेगा, ऐसा मुख सभापति रंजीता कुमारी निषाद ने बताया वही वार्डो ने साफ सफाई में ठीकेदारों की मनमानी चरम सीमा पे है वैसे ठेकेदारों को जल्द से जल्द हटाया जाय और जमालपुर चूड़ी हटिया में नगर परिसद की जमीन 3.5 कट्ठा है उक्त जगह पे कॉम्प्लेक्स बना के वहाँ के सभी दुकदारो को आवंटन किया जाय और इसी परिसर में शौचालय का भी निर्माण कराया जाय ताकि बाजार में आने जाने वाले महिलाओं को शौचालय से निजात मिले जमालापुर बाजार में एक भी शौचालय नहीं रहने के कारण महिलाओं को इधर-उधर बाथरूम के लिए भटकते देखा गया है इन सभी योजनाओं को जल्द से जल्द बोर्ड कमेटी में धरातल पर उतरने की कोशिश की है नगर परिषद कार्यालय की तरफ से वही धनखेता और कौवाकोल की तरफ बिजली के तार और स्ट्रीट लाइट नहीं रहने के कारण वार्ड 10 के चंदन कुमार ने नाराजगी जताई है जिसमें की कार्यपालक ने कहा जल्द से जल्द वहां पर बिजली की समस्या को दूर किया जाएगा इस मौके पर मुख्य सभापति रंजीता कुमारी निषाद, उपमुख सभापति, राजेश पंडित, मोहम्मद रुस्तम, चंदन कुमार,हुस्न आरा, के अलावे दर्जनो वार्ड मौजूद रहे।

पुलिस ने विभिन्न जगहों से शराब की बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका। बाराहाट थानान्तर्गत महाराणा हाट के पास प्र०स०अ०नि० विश्वजीत कुमार उत्पाद थाना बांका के नेतृत्व में एक स्कुटी के साथ अभियुक्त कृष्णा दास, पे०-स्व० सिकनदेव दास, सा०-बढ़ौना, थाना-बाराहाट, जिला-बांका, उम्र-40 वर्ष करीव को कुल-07.000 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार कर वाहन को जप्त किया गया। वहीं कटोरिया थानान्तर्गत भेमियां गाँव के पास किशोर कुमार प्रभारी स०अ०नि०मद्यनिषेध, उत्पाद थाना कटोरिया, (बांका) के नेतृत्व में एक मोटरसाईकिल के साथ दो अभियुक्तों (1) विपिन रविदास, पे०-अशरफी रविदास, सा०-टोनापाथर, थाना-सुईया, जिला-बांका, उम्र 39 वर्ष करीब एवं (2) रामजी दास, पे० लालमणी दास, सा०-बनियाकुरा (डुमरडीह), थाना-कटोरिया (सुईया), जिला-बांका, उम्र 39 वर्ष करीब को कुल-02.000 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार कर वाहन को जप्त किया गया। दूसरी ओर बेलहर थानान्तर्गत धनजोरबा के पास स्वीटी कुमारी प्रभारी प्र०स०अ०नि०मद्यनिषेध, उत्पाद थाना कटोरिया, (बांका) के नेतृत्व में एक मोटरसाईकिल के साथ तीन अभियुक्तों (1) झारीलाल किशकु (चालक). पे०-खेला किशकु, सा०-छोटकी बसार, थाना-बेलहर, जिला-बांका, उम्र 18 वर्ष करीब (2) फिलिप टुडू उर्फ आनन्द टुडू, पे०-मनसीह टुडू, सा०-छोटकी बसार (बिटोला), थाना-बेलहर, जिला-बांका, उम्र 38 वर्ष करीब एवं (3) शिवलाल हेमरम, पे०-छेटेलाल हेमरम, सा०-छोटकी बसार, थाना-बेलहर, जिला-बांका, उम्र-39 वर्ष करीब को कुल 15.000 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार कर वाहन को जप्त किया गया।दूसरी ओर कटोरिया थानान्तर्गत देरदा के पास मनोहर कुमार झा अ०नि० मद्यनिषेध, उत्पाद थाना कटोरिया, (बांका) के नेतृत्व में अभियुक्त पप्पू दास, पे० बालचंद दास, सा०-अडिरा थाना-कटोरिया, जिला-बांका, उम्र 33 वर्ष करीब को दुबारा शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। साथ ही शराब सेवन के आरोप में कुल-07 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से वे जुमार्ना देकर मुक्त किय गये।

योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक की गई आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी बाँका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में मिशन शक्ति योजनान्तर्गत संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक समाहरणालय मिनी सभागार में आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी,बाँका द्वारा मिशन शक्ति के तहत संचालित योजनाओं का योजनावार यथा वन स्टॉप सेंटर, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, शक्ति सदन एवं सखी निवास के संचालन के संबंध समीक्षा के क्रम में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस को निदेश दिया गया कि मिशन शक्ति योजनान्तर्गत संचालित योजना का संचालन सफलतापूर्वक करना सुनिश्चित करते हुए बेटी बचाओ, बेटी पढाओ योजना के तहत लिंग परीक्षण रोकथाम एवं निषेध हेतु अग्रेतर कारवाई सुनिश्चित करें। बैठक के माध्यम से सखी निवास एवं शक्ति सदन संचालन हेतु तय मानक के अनुरूप भवन चिन्हित करने का निदेश कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बाँका को दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस,संबंधित जिलास्तरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

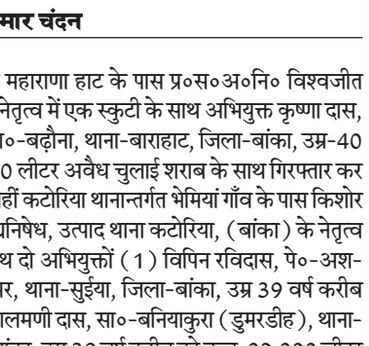

ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ दूसरा खगड़िया जिला सम्मेलन योगेंद्र भवन खगड़िया में मोहम्मद शहाबुद्दीन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ संगठन के प्रदेश सचिव इरफान अहमद फातमी ने कहा देश कठिन संकट के दौर से गुजर रहा है, केंद्र की मोदी सरकार धार्मिक उन्माद पैदा कर देश के मुट्ठी भर कॉरपोरेट पूंजीपतियों को बड़े पैमाने पर लाभ देने का काम कर रही है। देश में बेरोजगार नौजवान रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं। बेरोजगारी के चलते नौजवान गलत रास्ते पर जाने पर विवश हो रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार कोई ठोस योजना बनाने में नाकाम रही है। अल्पसंख्यक भाइयों पर हमले तेज हो रहे हैं नए-नए कानून बनाकर अल्पसंख्यक समुदाय को परेशान करने की कोशिश मोदी सरकार द्वारा कर रही है। इन्हीं सब सवालों को लेकर ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ का तीसरा बिहार राज्य सम्मेलन सिवान के बड़हरिया में 21, 22 दिसंबर 2024 को होने जा रहा है। इस सम्मेलन में अल्पसंख्यक भाइयों के हक और अधिकार की लड़ाई की ठोस योजना बनाकर राज्य स्तर पर आंदोलन विकसित किया जाएगा। राज्य सम्मेलन में खगड़िया जिला से साथियों को भाग लेने का अपील किए। सम्मेलन को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी खगरिया जिला सचिव कां प्रभाकर प्रसाद सिंह ने कह ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ खगड़िया जिला के दूसरा सम्मेलन के अवसर पर साथियों का अभिनंदन करते हुए कहा मोदी सरकार देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा कर देश की एकता अखंडता को तोड़ने का काम कर रही है वैसी स्थिति में साथियों को संगठित और एकताबाद होकर खगड़िया जिला में इंसाफ के लिए इंसाफ को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज सचिव मंडल सदस्य कॉ प्रभा शंकर सिंहने कहा ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ के संगठन को मजबूती के साथ खगड़िया जिला के विभिन्न गांव में सदस्यताअभियान चलाकर शाखा बनाने की जरूरत है एवं उनके हक और अधिकार के लिए गांव से आंदोलन की शुरूआत करने की जरूरत है। सम्मेलन में सीपीआई जिला कार्यकारिणी सदस्य साथी कैलाश पासवान, साथी अनिल कुमार सिंह, साथी मनोज सदा, साथी नारायण साह, साथी बिंदेश्वरी साह,मोहम्मद कादिल खान, मोहम्मद अख्तर अली, मोहम्मद शमशेर आलम सहित दर्जनों साथी उपस्थित थे।

गव्य विज्ञान में कार्मिक प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षणार्थियों को किया रवाना

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। प्रशिक्षण संस्थान बेलदारीचक , पटना में दिनांक 16-21 दिसम्बर, 2024 तक गव्य विज्ञान में कार्मिक प्रशिक्षण हेतु बांका जिला के सामान्य कोटि के 34 पुरुष सदस्य दिनांक 15.12.2024 को पूर्वाह्न में प्रशिक्षण संस्थान हेतु रवाना हुए। यह प्रशिक्षण गव्य विकास निदेशालय, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार पटना के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को निः शुल्क कराया जा रहा है। इस अवसर पर राम किशोर चौधरी, डेयरी फिल्ड ऑफिसर, जिला गव्य विकास कार्यालय, बॉका ने प्रशिक्षणार्थियों को रवाना किया। राजेश कुमार, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, बॉका ने कहा कि प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षणार्थी अपने कार्य में निपुण होकर अपने व्यवसाय को ऊँची मुकाम तक ले जा सकेंगे और कम खर्च में ज्यादा आमदनी प्राप्त कर सकेंगे । इस प्रकार किसानों की आय दोगुनी करने का सपना साकार हो सकेगा।

आज का पहला मैच खेला जाएगा नयागाँव बनाम भूड़कुड़िया के बीच

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। बौंसी क्रिकेट चैंपियनशिप 2024 का दूसरा दिन का पहला मैच ग्रीन स्टार युवा क्लब सापडहर बनाम यूथ क्लब बौसी बी. के बीच खेला गया। सापडहर के कैप्टन फैजल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया 15 ओवर में 8 विकेट खो कर 128 रन बनाए, टीम ओर से सर्वाधिक सोहराब ने 32रन बनाए, वही जवाबी पारी में बौसी बी की टीम 9 ओवर 1 बॉल खेल कर 9विकेट से जीत दर्ज कर ली वही टीम के सुभम को मैन ऑफ द मैच दिया गया इन्हो ने 60 रन पर नवाद पारी खेले बोलिंग से भी एक विकेट लिए। वही दूसरा मैच डहुआ बनाम गुरुधाम के बीच खेला गया, डहुआ के कैप्टन गुलफराज ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, वही सरफराज 39 व राजेश 39 रनों के मदद से 162 रनों विशाल इस पर खड़ा किया, वही जबाबी पारी मे गुरूधाम की टीम निर्धारित 15 ओवर खेल कर 8 विकट खोकर 141 रन बना पाई, इस मैच में शानदार प्रदर्शन डहुआ के राजेश जिनेंहो 39 रन और 1 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच प्राप्त किया और टीम को 22 रन से जीत दर्ज कराया। वही अंपायर की भूमिका बंटी सिंह, विशाल ने निभाया व स्कोर रंजन सिंघानिया आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय खिलाड़ी वह खेल प्रेमी का भरपूर सहयोग मिल रहा है, प्रखंड क्षेत्र में खिलाड़ियों मे क्रिकेट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, जहां खेल मैदान वीरान नजर आता था वही अभी दर्शकों का ताता लगा हुआ रहता है, खेल का खूब लुफ्त उठा रहे हैं और खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते नजर आ रहे हैं। आज का पहला मैच नयागाँव बनाम भूड़कुड़िया के बीच खेला जाएगा।

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ भागवत कथा का शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका/ब्रजेश राठौर

पंजवारा/बांका। सोमवार सुबह पंजवारा बाजार स्थित गढ़ीनाथ शिव मंदिर परिसर में आयोजित भागवत कथा को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कथा वाचक बाल व्यास चंदन शरण जी महाराज के सानिध्य में 151 महिलाओं एवं कन्याओं ने पंजवारा सती काली स्थान परिसर से कलश में जल भरकर काली मंदिर परिसर में विधिपूर्वक कलश पूजन के बाद कलश शोभा यात्रा प्रारंभ की। शोभा यात्रा की अगुवाई कथा के मुख्य यजमान नागेंद्र पाठक ने सपत्नी की। सती काली स्थान से गाजे बाजे के साथ शोभा यात्रा निकलकर दुर्गा मंदिर ,मुख्य बाजार ,संकट मोचन चौंक, बैदाचक, हॉस्पिटल रोड, पुरानी बाजार ,पाकड़गाछ होकर गढ़ीनाथ मंदिर स्थित कथा स्थल पर पहुंची। सभी कलश को गढ़ीनाथ मंदिर परिसर में रखा गया। वही कलश यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्ति में हो गया। दोपहर में कथा मंच का उद्घाटन पूर्व मंत्री सह वर्तमान बांका विधायक राम नारायण मंडल एवं जिला परिषद की सदस्या नीलम सिंह एवं मुखिया भोला पासवान ने मंच पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर विधायक श्री मंडल ने कहा कि भागवत कथा आयोजन से समाज में आपसी सद्भाव बढ़ता है एवं युवाओं द्वारा ऐसे कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लेने से सनातन धर्म का प्रचार नई पीढ़ी में बढ़ता है। जिला परिषद सदस्य नीलम सिंह ने भक्तिमयी भागवत कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। वहीं कथा के पहले दिन कथावाचक बाल व्यास चंदन शरण जी महाराज ने भागवत कथा की महिमा का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। इस दौरान भक्ति भजनों के प्रस्तुति से कथा पंडाल राधे-राधे से गूंज उठा। कथा रोजाना एक पाली में दोपहर एक बजे से आयोजित होगी। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुभाष साह, उपेंद्र पाठक, आनंद शंकर झा सहित अन्य मौजूद रहे।आयोजन को लेकर दिलीप तिवारी ,मुन्ना चौबे, आयुष पाठक, गौरव ठाकुर ,अंकित भगत, भवेश भगत ,सूरज, रिशु, संतोष ,मोहित तिवारी सहित स्थानीय युवा एवं ग्रामवासी सक्रिय हैं।

अनुश्रवण एवं शिकायत निवारण समिति की बैठक हुई आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका। जिला पदाधिकारी-सह-अध्यक्ष जिला मिशन समिति, बांका के अध्यक्षता में केन्द्र प्रायोजित राष्ट्रीय संधारणीय कृषि मिशन अन्तर्गत घटक योजना रेन फेड एरिया डेवलपमेन्ट आर डी ए के क्रियान्वयन एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत अनुश्रवण एवं शिकायत निवारण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, सहायक निदेशक, उद्यान, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक एवं उप निदेशक, (कृषि अभियंत्रण) भूमि संरक्षण, बांका उपस्थित हुए।जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि रेन फेड एरिया डेवलपमेन्ट आर डी ए 2024-25 अन्तर्गत कटोरिया प्रखंड के मनियां एवं जमदाहा पंचायत को चयनित किया गया है. जिसमें लाभूकों की संख्या 220, कलस्टर की संख्या- 02 एवं 50 हेक्टेयर में इस कार्य को पूर्ण किया जाना है। कलस्टर निर्माण हेतु कृषकों का चयन कर लिया गया है। चयनित कृषकों को गाय पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन तथा फसल से संबंधित कार्यों पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित सहायता अनुदान दिया जाएगा। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा निदेश दिया गया कि जल्द से जल्द इस योजना को क्रियान्वयन करना प्रारम्भ करें जिससे ससमय योजना पूर्ण हो। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत लंबित ई० के०वाई०सी० एवं शतप्रतिशत लाभुकों का भौतिक सत्यापन का कार्य पूर्ण नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निदेश दिया कि ई०के०वाई०सी० से संबंधित कार्यों को बुधवार एवं गुरूवार को आप स्वयं एवं अनुमंडल कृषि पदाधिकारी 02 समूह बनाकर धोरैया, बाराहाट एवं शम्भूगंज में लंबित पड़े कार्यों का निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे।

सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने 31 गोदामों और 06 कम्पोजिट यूनिट का किया उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम समेकित सहकारी विकास परियोजना के तहत निर्मित 31 गोदामों तथा 06 कम्पोजिट यूनिट का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री ने कहा कि समेकित सहकारी विकास परियोजना एक कालबद्ध परियोजना है, जिसकी अवधि 31 मार्च, 2025 है। मंत्री ने सभी 6 जिलों में क्रियान्वित समेकित सहकारी विकास परियोजना के महाप्रबंधकों को निर्देश दिया कि परियोजना के कार्य को ससमय पूर्ण करें। साथ ही मंत्री ने विभागीय पदाधिकारियों को भी निर्देश दिया कि वे निरंतर जमीनी स्तर पर कार्य का भौतिक निरीक्षण कर कार्य मे तेजी लाएं। मंत्री ने औरंगाबाद जिले के ओबरा प्रखण्ड में महफिल-ए-कालीन प्राथमिक बनुकार सहयोग समिति का उल्लेख करते हुए उनके कार्या की काफी सराहना की और कहा कि यह समिति काफी अच्छे कालीन का निर्माण कर रही है। ऐसे सहकारी समितियों को प्रोत्सहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के बेतहर संचालन से बिहार में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन भी होगा और लोगों का राज्य से पलायन भी रुकेगा। वेजफेड, मत्स्य सहयोग समितियां, बुनकर सहयोग समितियां और मधु सहयोग समितियों के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि इसे और भी उचाईयों तक ले जाने का प्रयास जारी रहना चाहिए। उन्होंने खरीफ विपणन 2024-25 में धान अधिप्राप्ति में पैक्स चुनाव के बाद आई तेजी का स्वागत किया। साथ ही किसानों को पैक्सों एवं व्यापार मंडल के माध्यम से अधिक से अधिक धान बिक्री कर न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठाने का आग्रह किया। मंत्री ने विभाग से शुरू किये ऑनलाइन अग्रिम धान बिक्री और शिकायतों के निपटारे के लिए ऑनलाइन सुविधा का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि समेकित सहकारी विकास परियोना की शुरूआत वर्ष 1988 में राज्य के 2 जिलों सासाराम एवं बक्सर (भोजपुर) में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई थी। इसकी सफलता को देखते हुए वर्ष 2001 से राज्य के अन्य जिलों को भी इस योजना के तहत आच्छादित करने के लिए राज्य सरकार ने स्वीकृति दी है। इस योजना के तहत 2001 से अब तक राज्य के 20 जिलों गोपालगंज, मधुबनी, गया, सीतामढ़ी, आरा, छपरा, सीवान, कैमूर, खगड़िया, शिवहर, नालंदा, वैशाली, जहानाबाद, अररिया, पूर्वी चंपारण, औरंगाबाद, बेगूसराय, दरभंगा, पश्चिमी चंपारण एवं पूर्णिया में कुल 73792.56 लाख रुपये लागत की मोबाइल परियोजना आच्छादित की गई। इस योजना के तहत 2001 से अबतक 14 जिलों गोपालगंज, मधुबनी, सीतामढ़ी, आरा, छपरा, सीवान, गया, कैमूर, खगड़िया, शिवहर, नालंदा, वैशाली, जहानाबाद और अररिया में परियोजना पूरी हो चुकी है। वर्तमान में राज्य के 06 जिलों मोतिहारी, औरंगाबाद, बेगूसराय, दरभंगा, बेतिया एवं पूर्णियां में परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इन जिलों के परियोजना की विस्तारित अवधि 31 मार्च, 2025 निर्धारित है।

विधायक, प्रमुख एवं मुखिया ने संयुक्त रूप से खेल मैदान का किया शिलान्यास

दैनिक बिहार पत्रिका/कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका। रविवार को फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के तेलिया पहाड़ पंचायत अंतर्गत उच्च विद्यालय डोमो कुमारपुर के मैदान पर मनरेगा योजना अंतर्गत दस लाख रुपए की लागत से बनने वाले खेल मैदान परिसर का विधायक मनोज यादव, प्रखंड प्रमुख गौतम प्रकाश, प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष चंदन कुमार, संबंधित पंचायत के मुखिया विनय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शिलान्यास किया। उद्घाटन के मौके पर विधायक श्री यादव ने कहा कि अपने क्षेत्र में विकास, क्षेत्र वासियों की सेवा, उनकी समस्या का समाधान उनकी प्राथमिकता है। प्रत्येक गांव में शहर की सारी सुविधा उपलब्ध कराना भी उनका लक्ष्य है ।समय लगेगा लेकिन पूरा अवश्य होगा। शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया बिनय कुमार सिंह ने की । वहीं शिलान्यास के मौके पर मनरेगा पीओ राजीव कुमार, प्रखंड प्रमुख गौतम प्रकाश,कैसा पंचायत के मुखिया चंदन कुमार,केंदुआर पंचायत के मुखिया बनबारी तांती, पूर्व उप प्रमुख बिंदेश्वरी यादव, समाजसेवी लखन लाल देव,जदयू महादलित प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अजय भारती, उमेश मंडल,उपेंद्र यादव,विवेका नंद मंडल,समाजसेवी रजनिश चौधरी, रामानंद यादव,उपमुखिया पन्ना सिंह, राजेश यादव, पप्पु यादव, समेत दर्जनों सहित अन्य उपस्थित थे ।

मनरेगा योजना में मजदूर की जगह जेसीबी से हो रहा काम, वार्ड सदस्य समेत सैकड़ो मजदूरों ने मनरेगा पीओ को दिया आवेदन

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। जिले के त्रिवेणीगंज प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों मनरेगा का काम मजदूरों के बदले मशीनों से कराया जा रहा है ताजा मामला मानगंज पश्चिम पंचायत वार्ड नंबर 2 की है, यहा मनरेगा मद से रात्रि में छुपा कर भीसी 91 आरडी की सफाई कार्य मुखिया दिनेश सरदार एवं रोजगार सेवक के द्वारा मजदूरों से नहीं कराकर जेसीबी मशीन से कराई गई है। ऐसे में मजदूर काम के अभाव में अपने घर परिवार भी नही चला पाते हैं। विभागीय कर्मियों व जनप्रतिनिधियों की जुगलबंदी का आलम है कि दर्जनों मजदूरों की पेट पर लात मार देते है। प्रखंड क्षेत्र में चल रहे मनरेगा योजनाओं के कार्य में जेसीबी मशीन का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। जिसके कारण स्थानीय ग्रामीण मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है और वे पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं इसके विरोध में वार्ड सदस्य समेत सैकड़ो मजदूरों ने मनरेगा पीओ को आवेदन देकर कठोर कार्रवाई की मांग की है, वार्ड सदस्य ने बताया कि मनरेगा योजना में इतनी बड़ी लापरवाही की जा रही है, लेकिन अधिकारियों की ओर से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इससे न सिर्फ बेरोजगारी बढ़ेगी, सरकारी कार्यालयों में अराजकता भी बढ़ रही है। वहीं अभियंता कार्यस्थल का निरीक्षण किए बिना ही काम पास करते हैं। इस तरह वरीय पदाधिकारियों की आंखों मे धूल झोंककर मनरेगा योजना के साथ-साथ मजदूरों की रोटी से भी खिलवाड़ कर कर्मी व जन प्रतिनिधि चांदी काट रहे हैं। वहीं मजदूरों को रोजगार नहीं मिलने से उनके परिजनों के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मनरेगा में ग्रामीण मजदूरों को काम नहीं मिलने से कई मजदूर पलायन करने को मजबूर हैं। राज्य सरकार मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए मनरेगा के तहत कई योजनाएं चला रही हैं। खासकर लाकडाउन के बाद गांव घर में ही रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। परंतु मनरेगा के तहत हो रहे कार्यों में मशीन का उपयोग कर लिये जाने से मजदूर निराश हैं। मजदूरी नहीं मिलने पर मजदूरों के समक्ष आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। काम की तलाश में कई मजदूर पलायन कर रहे हैं। इस मामले को लेकर जब रोजगार सेवक से पूछा गया उन्होंने दबे जुबान में बताया कि अभी किसी प्रकार की योजना नहीं खोली गई, वहां मेरा काम नहीं चल रहा है, अब सवाल उठता है की जब वहां कोई योजना नहीं खोली गई तो फिर रात्रि को किनके आदेश से किनके द्वारा भीसी 91 को जेसीबी मशीन से सफाई किया गया, जबकि उस वार्ड के वार्डसदस्य संजय कुमार मिश्र समेत सैकड़ो ग्रामीणों ने बताया की मुखिया और रोजगार सेवक की मिलीभगत से चोरी छुपे रात्रि को इस तरह की कार्य करवाया गया।

संक्षिप्त समाचार

बेगूसराय में जॉब कैंप का आयोजन : 30 शिक्षित बेरोजगारों की होगी बहाली, पोर्टल से कर सकते हैं अप्लाई

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के आईटीआई कैंपस में स्थित संयुक्त श्रम भवन के जिला नियोजनालय में जॉब कैंप आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नवभारत फर्टिलाइजर लिमिटेड द्वारा सेल्स ट्रेनी के पद पर 30 शिक्षित बेरोजगारों की बहाली की जाएगी। कैंप सोमवार को सुबह 10 : 30 बजे से शाम 4 : 00 बजे तक है। जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेश ने बताया कि मैट्रिक और उससे अधिक की शिक्षा प्राप्त 20 से 40 वर्ष के लोग इस जॉब कैंप में शामिल हो सकते हैं। चयन होने के बाद लाभुकों को 8 हजार से 12 हजार रुपए तक सैलरी, टीए, डीए, कमीशन, इंसेंटिव एवं पीएफ की सुविधा दी जाएगी। जॉब की लोकेशन बेगूसराय है। उन्होंने बताया कि एनसीएस पोर्टल पर निबंधित 20 से 40 वर्ष के कोई भी लोग अपना बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, संबंधित शैक्षणिक प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साइज के दो फोटो के साथ इसमें भाग ले सकते हैं। अधिक से अधिक लोगों को इसमें शामिल करने के लिए सरकारी और निजी आईटीआई, कौशल युवा कार्यक्रम सेंटर, जीविका आदि को भी सूचना दिया गया है। बता दें कि बिहार के सरकार का श्रम संसाधन विभाग जिला नियोजनालय के माध्यम से शिक्षित बेरोजगारों को निजी क्षेत्र की कंपनी में लगातार जॉब उपलब्ध करवा रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर आज जॉब कैंप आयोजित किया जा रहा है।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, मौके से एक साथी फरार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में खबड़ा स्थित एक पेट्रोल पंप के पास से एक बदमाश को पिस्टल, गोली और खोखा के साथ गिरफ्तार किया गया है। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर एक युवक मौके से फरार हो गया। दोनों बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। सदर थाना दरोगा ने बताया कि डायल 112 टीम को सूचना मिली कि कुछ लोग हथियार और गोली को लेकर किसी बड़ी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के फिराक में है। जानकारी मिलते ही टीम मौके पर पहुंची तो दो लोग भागने का प्रयास किया। जिसमें एक व्यक्ति को पकड़ा गया। गिरफ्तार बदमाश की तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल, एक जिंदा गोली और एक खोखा बरामद किया गया। पकड़े गए बदमाश की पहचान खबड़ा निवासी रंजीत कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने रंजीत को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और फरार साथी की तलाश में जुटी हुई है।

जमीनी विवाद में 2 पाटीदार के बीच मारपीट : गोली लगने से 2 लोग घायल

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के कल्याणपुर थाना क्षेत्र बखरी बैरिया गांव में जमीन को लेकर दो पाटीदार के बीच मारपीट हो गई। जिसमें दो लोग घायल हो गए। घायल का आरोप है कि उसके ऊपर गोली चलाई गई है, जो उसके बाएं हाथ में लगी है। घटना के संबंध में घायल हरिओम यादव का बेटा अजित कुमार (18) ने बताया कि उनलोगों का उनके पाटीदार से साढ़े तीन कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। हमारे जमीन को वो लोग अपना बताकर हमसे विवाद कर रहे है। अजित कुमार ने बताया कि उस जमीन पर हमारा जलावन रखा हुआ है। जिसमें अभिषेक यादव आग लगा रहा था, जब मैंने मना किया तो उसने गाली गलौज करना शुरू कर दिया। इस बीच उसने बन्दूक निकाल कर गोली चला दी, जो मेरे बाएं हाथ के उंगली में लगी। उसके बाद मैं वहां से भाग गया, लेकिन इसी बीच उसने दूसरी गोली चलाई जो मेरी चाची मालती देवी को (50) लगी। घटना कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे कल्याणपुर थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि दोनों घायल को इलाज के सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

राज्यपाल की अध्यक्षता में 18 को होगी सीनेट की बैठक : बीएनएमयू में 12 अरब से अधिक के बजट का होगा अनुमोदन, सभी छुट्टियां रद्द

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा के बीएन मंडल विश्वविद्यालय में सीनेट की वार्षिक बैठक 18 दिसंबर को राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर की अध्यक्षता में होगी।

बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक परिसर स्थित ऑडिटोरियम में होगी। विश्वविद्यालय में सीनेट के बैठक की तैयारी अंतिम चरण में है। बीएनएमयू के इतिहास में यह दूसरा अवसर है जब राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर स्वयं सीनेट के बैठक की अध्यक्षता करने आ रहे हैं। इससे पहले राज्यपाल 18 मार्च 2023 को पहली बार बीएनएमयू में सीनेट की बैठक की अध्यक्षता की थी। विश्वविद्यालय ने 18 दिसंबर तक सभी तरह की छुट्टियों को रद्द कर दिया है। रविवार को भी कार्यालय कार्यों का निपटारा किया जा रहा था। बीएनएमयू में 24वें सीनेट की वार्षिक बैठक में पहली बार आए राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंच से ही कुलपति को निर्देश दिया था कि एकेडमिक सीनेट की बैठक आयोजित कर पठन-पाठन पर चर्चा होनी चाहिए। कुलाधिपति के आदेश का पालन करने में अब तक विश्वविद्यालय असफल दिख रहा है।

छात्रहित में बैठक नहीं बुलाना दुखद

छात्र संगठन एसएफआई के बीएनएमयू प्रभारी डॉ. सारंग तनय ने बताया कि छात्रहित में शैक्षणिक मुद्दे को लेकर विशेष एकेडमिक सीनेट की बैठक नहीं बुलाई गई है, जो काफी दुखद है। इस मुद्दे को लेकर छात्र जदयू, छात्र राजद, आइसा, एनएसयूआई, एबीवीपी सहित अन्य संगठन लगातार आंदोलन करता रहा है।

तैयारी अंतिम चरण में

बीएनएमयू कुलसचिव डॉ. बिपिन राय ने बताया कि बीएनएमयू में सीनेट की बैठक को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है।

विश्वविद्यालय के बजट का होगा अनुमोदन

विश्वविद्यालय में 25 वां सीनेट बैठक से पूर्व 30 नवंबर एवं 7 दिसंबर को कुलपति की अध्यक्षता में हुई सिंडिकेट की बैठक हो चुकी है। सिंडिकेट की बैठक में आगामी वार्षिक बजट 2025-26 को लेकर सर्वसम्मति से पास किया है, अब इसे सीनेट से पारित करना है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट 12 अरब से अधिक का प्रावधान रखा गया है। बीएनएमयू में आठ सालों से सीनेट व 10 साल से सिंडिकेट का चुनाव ही नहीं हुआ है। पुराने सीनेट सिंडिकेट सदस्यों से ही विश्वविद्यालय प्रशासन काम चला रहा है।

सांसद तारिक अनवर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

कटिहार, एजेंसी। कटिहार के सांसद तारिक अनवर ने रविवार देर शाम आजमनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उनके दौरे का उद्देश्य यह समझना था कि क्षेत्रीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का कितना लाभ मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान सांसद ने अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने एक्स-रे मशीन संचालक की अनुपस्थिति, ब्लड किट जांच की सुविधा का अभाव और अन्य कई समस्याओं को गंभीर बताया। सांसद ने इसके लिए कटिहार के सिविल सर्जन को जिम्मेदार ठहराया।

जन्म प्रमाण पत्र बनाने में होती देरी

स्थानीय लोगों ने सांसद को बताया कि अस्पताल में जन्म प्रमाण पत्र बनाने में देरी होती है और सामान्य डिलीवरी को भी सिजेरियन में बदल दिया जाता है। इसके अलावा, आशा कार्यकर्ताओं द्वारा मरीजों को निजी नर्सिंग होम ले जाया जाता है। अस्पताल में डिलीवरी के बाद सुविधा शुल्क वसूली की शिकायतें भी सामने आईं। इन शिकायतों पर सांसद तारिक अनवर ने नाराजगी जताई और कहा कि सिविल सर्जन को इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठाने और अस्पताल की स्थिति में सुधार की मांग करने का आश्वासन दिया। सांसद ने कहा कि बदइंतजामी को खत्म करने के लिए जल्द ही पत्र लिखा जाएगा। स्थानीय लोगों ने बीसीएम पंकज कुमार को तुरंत हटाने की भी मांग की। इस दौरान कई कार्यकर्ता भी सांसद के साथ मौजूद रहे।

प्रथम रोहतास अंतर-विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी बना ओवरआल विजेता

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी/रोहतास। जिला शतरंज संघ के द्वारा सासाराम फजलगंज अवस्थित मल्टीपरपस हॉल में प्रथम अंतर-विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गयो इस प्रतियोगिता में रोहतास, औरंगाबाद एवं पटना के कुल 33 विद्यालयों के 172 प्रतिभागियों ने शिरकत की, जिसमें 30 बालिका तथा 142 बालक प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक एवं वरीय राष्ट्रीय आर्बिटर आयुष कुमार शर्मा ने बताया कि 95 अंकों के साथ जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी ने ओवरआल विजेता, 49.5 अंकों के साथ संत पॉल स्कूल सासाराम ने ओवरआल उप विजेता एवं 49 अंकों के साथ डी.ए.वी. डेहरी-डालमियानगर ने ओवरआल तीसरा स्थान प्राप्त किया ` सभी विजेता विद्यालयों को ट्रॉफी प्रदान किया गया। आयु वर्ग 09 बालक में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल डेहरी के श्रेयस सिंह ने प्रथम, श्री श्री रवि शंकर विद्यालय नवीनगर के उमर फारुक ने द्वितीय एवं जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी के अभय कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 09 बालिका में नेशनल राइजिंग पब्लिक स्कूल, पटना की राज श्री ने प्रथम, एमराल्ड हेरिटेज स्कूल, सासाराम की वेदांशी सिन्हा ने द्वितीय एवं ए.बी.आर. फाउंडेशन स्कूल सासाराम की स्वरा शेखर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 11 बालक में जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी के अवनीश पाल ने प्रथम, ए.बी.आर. फाउंडेशन स्कूल सासाराम के आयुष आनंद ने द्वितीय एवं सेंट्रल इंग्लिश स्कूल शिवसागर के अमन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 11 बालिका में राजेंद्र विद्यालय, सासाराम की सानवी प्रकाश ने प्रथम, प्रज्ञा निकेतन पब्लिक स्कूल सासाराम की आस्था प्रिया ने द्वितीय एवं जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी की लता साहनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 13 बालक में ए.बी.आर. फाउंडेशन स्कूल के सैयद अबू हुजैफा ने प्रथम, जेम्स इंग्लिश स्कूल के आदित्य कुमार सीनापति ने द्वितीय एवं डी.ए.वी. डेहरी-डालमियानगर के कनिष्क गुप्ता कुशधन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 13 बालिका में जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी की अगनेस ने प्रथम, जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी की लिसा कुमारी ने द्वितीय एवं संत पॉल स्कूल सासाराम की फ्लोरिना सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 15 बालक में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल कटार के शुभम ने प्रथम, संत शिवानन्द

अकादमी सासाराम के रेहान खान ने द्वितीय एवं डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल कटार के विकास कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 15 बालिका में जेम्स इंग्लिश स्कूल डिहरी की तनवी श्री ने प्रथम, जेम्स इंग्लिश स्कूल डिहरी की एस. बी. शीजी ने द्वितीय एवं जेम्स इंग्लिश स्कूल की प्रिसलिन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 17 बालक में जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी के मारिया पॉलराज ने प्रथम, जेम्स इंग्लिश स्कूल डेहरी के प्रत्युष कुमार ने द्वितीय एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय उचितपुर के प्रवीण कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 17 बालिका में जेम्स इंग्लिश स्कूल डिहरी की रश्मि कुमारी ने प्रथम, जेम्स इंग्लिश स्कूल डिहरी की विद्या कुमारी शारदा ने द्वितीय एवं उच्च विद्यालय डिलियां ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में नेशनल राइजिंग पब्लिक स्कूल पटना से खेलने आयी राज श्री तथा औरंगाबाद के उमर फारुक विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे। पटना की राज श्री को एमराल्ड हेरिटेज स्कूल सासाराम की वेदांशी सिन्हा ने कड़ा टक्कर दिया, परन्तु राज श्री ने अपने दोनों घोड़े के बेहतरीन चालों के दम पर वेदांशी के राजा को शह और मात देते हुए आयु वर्ग 09 में विजेता का खिताब हासिल किया शतरंज के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के कारण प्रशिक्षक केटेगरी में जेम्स इंग्लिश स्कूल के सरस्वती सिंह एवं डेविड, ए.बी.आर फाउंडेशन स्कूल के जशपाल सिंह, संत पॉल स्कूल के अरुण कुमार अरुण एवं संजीव यादव, गोवेर्धनपुर उच्च विद्यालय के धर्मेन्द्रशीला कुमारी एवं इंडियन पब्लिक स्कूल के सुधीर कुमार, खिलाड़ी केटेगरी में धनंजय कुमार को, निर्णायक केटेगरी में आयुष कुमार शर्मा, शुभम कुमार एवं सृजल को चेस एक्सीलेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मीडिया के प्रतिनिधियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संघ के सचिव वेद प्रकाश सिन्हा व अध्यक्ष.नंद कुमार सिंह ने बताया कि रोहतास जिला शतरंज संघ द्वारा भी सभी विद्यालयों में शतरंज का नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गयी है, जिसके तहत शतरंज के चैंपियंस तैयार किये जायेंगें। इस अवसर पर मुख्य प्रायोजक सेवा निवृत कार्यपालक अभियंता ई . विनय चंचल, रोहतास जिला शतरंज संघ के उपाध्यक्ष रंजित कुमार सिन्हा एवं धनंजय कुमार सिंह, सह-सचिव, सैयद शारिक अहमद एवं शम्भू शरण सिंह, सदस्य सलोनी सिन्हा, शंकर कुमार एवं आलोक कुमार उपस्थित रहे।

मणिपुर में बिहारी मजदूरों की हत्या पर सीएम नीतीश ने जताया दुख, दो-दो लाख सहायता का ऐलान

पटना, एजेंसी। मणिपुर में दो बिहारी मजदूरों की हत्या कर दी गई। हथियारों से लैस अज्ञात अपराधियों ने दोनों को गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से दोनों के परिवारों में कोहराम मचा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। सीएम ने पीड़ित परिवारों के लिए दो-दो लाख की सहायता राशि की घोषणा की है। सीएम ने उनके शवों को मणिपुर से घर तक पहुंचाने का आदेश अधिकारियों को दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नीतीश कुमार ने अपने संदेश प्रेषित किया है। उन्होंने कहा है कि मणिपुर में उपद्रवी हिंसा में बिहार के गोपालगंज जिले के रहने वाले लक्ष्मण कुमार जी और दशरथ कुमार जी की हत्या से मर्माहत हूं। यह घटना काफी दुःखद है। मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। मृत स्व? लक्ष्मण कुमार जी और स्व दशरथ कुमार जी के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 02-02 लाख रू देने का निर्देश दिया है। साथ ही श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने का निर्देश दिया है। दिल्ली में बिहार के स्थानिक आयुक्त को स्थिति की जानकारी लेने तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिए भी आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। मणिपुर के काकचिंग जिले में शनिवार शाम अज्ञात बंदूकधारियों ने बिहार के दो प्रवासी मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना काकचिंग-वबगई रोड पर केइराक पंचायत कार्यालय के पास शाम करीब 5.20 बजे हुई। मृतकों की पहचान गोपालगंज के यादवपुर थाना क्षेत्र के राजवाही गांव के निवासी 18 वर्षीय सुनालाल कुमार और 17 वर्षीय दशरथ कुमार के रूप में हुई है। दोनों निर्माण क्षेत्र में मजदूरी करते थे और मैतेई-बहुल काकचिंग इलाके में किराए के मकान में रहते थे। पुलिस के अनुसार दोनों मजदूर शाम को काम से लौट रहे थे, जब उन पर गोलीबारी की गई।

नालंदा में साइबर ठगी गिरोह के 3 लोग गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर विज्ञापन डाल लोगों से लेता था पैसा, नौकरी और शादी का देता था झांसा

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र में पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी लोग सोशल मीडिया पर फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों को ठग रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर इंडियन जिगोलो क्लब प्राइवेट लिमिटेड नाम से फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों को ठग रहे हैं। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उगावां गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया गया। पकड़े गए ठग लोगों को नौकरी, शादी और लोन दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे ले रहे थे। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रूपेश कुमार, राजेश कुमार और सूरज कुमार पासवान के रूप में हुई है। ये सभी उगावां गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के फर्जी विज्ञापन पर विश्वास न करें और किसी भी तरह की जानकारी देने से पहले पुलिस से संपर्क करें। छापेमारी टीम में अस्थावां सर्किल इंस्पेक्टर साकेत कुमार, थानाध्यक्ष लाल मुनि दुबे, सारे थानाध्यक्ष धर्मेश कुमार गुप्ता, रितु रंजन समेत सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही। बता दें कि पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में साइबर अपराधों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

अचानक घर में लगी आग से हजारों रुपए की संपत्ति जलकर हुई राख

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। प्रखंड क्षेत्र के तेलिया पहाड़ पंचायत अंतर्गत सोभानी पोखर नौगांय गांव में रविवार की दोपहर बाद अचानक बादिल यादव पिता स्वर्गीय बैजनाथ यादव के घर में लगी आग से हजारों रुपए की संपत्ति सहित सारा घर जलकर पूरी तरह राख हो गया। वहीं घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित बादिल यादव ने बताया कि अचानक लगी आग से घर में रखें धान, चावल, कपड़ा, बर्तन, अन्य अनाज एवं घर का छप्पर पूरी तरह जलकर राख हो गया। वहीं पीड़ित ने आग से

50 हजार रुपए से ज्यादा की संपत्ति जलने की बात बताई। वहीं घटना को लेकर संबंधित पंचायत के मुखिया विनय कुमार सिंह ने यथा संभव सरकारी सहायता पीड़ित परिवार को दिलाने का भरोसा दिया। वहीं काफी मशक्कत के बाद दर्जनों ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया।

बक्सर में 500 करोड़ की लागत से बनेगा सीमेंट फैक्ट्री

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत कांट और रघुनाथपुर के बीच आज जेके सीमेंट कंपनी का भूमि पूजन समारोह संपन्न हुआ। इस मौके पर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. राघवपत सिंघानिया ने भूमि पूजन करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा,÷हमारी कंपनी अब उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए अपने उत्पादों का निर्माण और वितरण करेगी। ÷जेके सीमेंट के वाईस चेयरमैन डॉ निधिपति सिंघानिया और जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ माधवकृष्ण सिंघानिया ने नई ग्राइंडिंग यूनिट का भूमि पूजन किया।कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी भूमि पूजन समारोह के दौरान मौजूद रहे। इस उपलब्धि के साथ कंपनी ने बिहार के मार्केट में विश्वस्तरीय सीमेंट उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने की दिशा में एक और नए अध्याय की शुरुआत की है। बक्सर में जेके सीमेंट कंपनी के स्थापित होने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव : डॉ.सिंघानिया ने बताया कि यहां के युवाओं को उनकी स्किल और योग्यता के अनुसार रोजगार दिया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।इस समारोह में जिले के कई आला अधिकारियों ने भाग लिया। बक्सर के विकास आयुक्त (डीडीसी) महेंद्र पॉल और एसडीएम राकेश कुमार ने इस मौके पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा अन्य अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस नए प्रोजेक्ट के शुरू होने से क्षेत्रीय उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने में होंगे सक्षम : नई ग्राइंडिंग युनिट पर बात करते हुए डॉ राघवपत सिंघानिया,मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके सीमेंट ने कहा,आज आयोजित यह समारोह बिहार में जेके सीमेंट के लिए ऐतिहासिक कदम है। हमें खुशी है कि हम अपने उच्च गुणवत्ता के उत्पादों को इस वाइब्रेंट और तेजी से विकसित होते क्षेत्र में ला रहे हैं। यह ग्राइंडिंग युनिट न सिर्फ देश में हमारी मौजूदगी को सशक्त बनाएगी बल्कि बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक विकास में भी योगदान देगी। हमें विश्वास है कि अपनी आधुनिक निर्माण क्षमता एवं गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्धता के साथ हम स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगे।÷

500 करोड़ की अधिक के लागत से बनेगा फैक्ट्री : जानकारी दी गई की नई ग्राइडिंग यूनिटी बिहार में प्रीमियम सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए क्षेत्र में प्रमुख प्लेयर बन जाएगी। गौरतलब है कि यह मार्केट तेजी से विकसित हो रहा है। यह विस्तार पूर्वी भारत में जेके सीमेंट लिमिटेड की मौजूदगी को सशक्त बनाने तथा देश में मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बक्सर युनिट की प्रस्तावित क्षमता 3.00 एमटीपीए है, जो अगले साल तक जेके सीमेंट की उत्पादन क्षमता को 30 एमटीपीए से अधिक तक ले जाने की कंपनी की योजनाओं में योगदान देगी। बिहार में कई बड़ी परियोजनाओं के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास तेजी से हो रहा है। ऐसे में नई ग्राइंडिंग यूनिट में रु 500 करोड़ से अधिक निवेश के साथ मार्केट में जेके सीमेंट का प्रवेश क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्कृष्ट गुणवत्ता का सीमेंट उपलब्ध कराने और इनोवेशन के लिए प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए कंपनी क्षेत्र की प्रगति और भारत के विकास को गति प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बारिश की लुका-छिपी के बीच भारत की खराब शुरुआत, 51 रन पर खोए चार विकेट

एजेंसी, ब्रिसबेन

यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने केवल 51 रन पर चार विकेट खो दिये हैं।केएल राहुल 33 और कप्तान रोहित शर्मा बिना खाता खोले नाबाद हैं। इससे पहले आज ऑसेट्रेलिया की पहली पारी 445 रनों पर समाप्त हुई।

बारिश के व्यवधान के बीच भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और मिचेल स्टॉर्क ने पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (04) चलता कर भारत को पहला झटका दिया। शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर चलते स्टॉर्क का दूसरा शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार बने। हालांकि इसके बाद बारिश शुरु हो गई और लंच की घोषणा हो गई। लंच के बाद जब मैच शुरु हुआ तो पंत और राहुल ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि इसके बाद फिर बारिश शुरु हो गई। बारिश जब रूकी तो पंत (09) के रुप में भारत को चौथा झटका लगा। पंत के आउट होने के बाद बारिश शुरु हो गई और चायकाल की घोषणा हो गई। बारिश रूकने के बाद मैच केवल 4 ओवर को ही हो सका और फिर बारिश शुरु हो गई, जिसके बाद दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया। खेल की समाप्ति पर भारत ने 4 विकेट पर 51 रन बना लिए हैं। केएल राहुल 33 और रोहित बिना खाता खोले नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 2, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

सिराज पर निशाना साधने के लिए ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों पर बरसे गावस्कर

एजेंसी, ब्रिसबेन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटरों की आलोचना की है। गावस्कर ने एडीलेड में दिन रात्रि टेस्ट में मोहम्मद सिराज को निशाना बनाये जाने को लेकर ये आलोचना की है। गावस्कर के अनुसार इन क्रिकेटरों ने दोहरा चरित्र दिखाया है। दूसरे टेस्ट में ट्रेविस हेड ने शतक पूरा करने के बाद छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया था।

हेड ने दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की लेकिन भारतीय गेंदबाज ने इस बात को गलत बताया। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनों खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक निकारात्मक अंक भी दिया। गावस्कर ने तंज कसा है कि सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के दिग्गजों से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वहीं दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है। उन्होंने साथ ही कहा ससे ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक नाराज हो सकते हैं कि सिराज ने शानदार शतक बनाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को आक्रामक इशारा किया। गावस्कर ने दोहरे चरित्र पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कैसे यही लोग अपने खिलाड़ियों के असभ्य व्यवहार का समर्थन करते हैं। उन्होंने लिखा, 'यह लोग हालांकि अगले सत्र में की एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के किसी तेज गेंदबाज की इंग्लैंड के बल्लेबाज के खिलाफ इस तरह की हरकतों को सही करार देंगे।

दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच टेस्ट में डीआरएस लागू नहीं होगा

एजेंसी, ब्लोमफोंटेन

क्रिकेट मैचों में आजकल डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) सभी मैचों में काफी अहम माना जाता है पर दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच होने वाले एकमात्र टेस्ट में डीआरएस लागू नहीं होगा। दक्षिण अफ्रीकी टीम 22 साल बाद अपनी घरेलू धरती पर कोई मैच खेलेगी पर उसमें ये तकनीक प्रयोग में नहीं लायी जाएगी। अफ्रीकी महिला टीम ने अपने घर पर आखिरी टेस्ट मैच भारत के खिलाफ साल कए रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ट मैच से पहले दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज हुई थी, जिसमें डीआरएस का इस्तेमाल किया गया था। ये तकनीक बहुत ही महंगी होती है और इसी वजह से टेस्ट में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इस तकनीक को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने केवल एकदिवसीय और टी20 के मैचों के लिए ही उपलब्ध कराने का फैसला किया है। इसका कारण है कि टी20 रैंकिंग और महिला चैंपियनशिप के लिहाज से उनके लिए टी20 और एकदिवसीय अहम है।

दक्षिण अफ्रीका की नेशनल टीमों और हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर एनोच नकेवे ने कहा कि रेड बॉल फॉर्मेट का विकास अहम है, यह ध्यान देने योग्य है कि वर्तमान महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट के महत्व के कारण संसाधनों को लिमिटेड ओवर्स में इस्तेमाल किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही एकदिवसीय वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया था। लेकिन उसका लक्ष्य महिला चैंपियनशिप की अंक तालिका टेबल में पहले नंबर पर रहना था। अभी वह एकदिवसीय रैंकिंग में चौथे और टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में पांचवें नंबर पर हैं।

शाकिब को सभी शीर्ष स्तरीय क्रिकेट, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों में गेंदबाजी से किया गया निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली

शाकिब अल हसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अनुमोदित राष्ट्रीय महासंघों द्वारा संचालित सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है, चाहे वह घरेलू हो या अंतरराष्ट्रीय। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को एक बयान में उक्त जानकारी दी। शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया था, और बीसीबी ने कहा कि यह अगला कदम है। बोर्ड ने यह भी कहा कि शाकिब जल्द ही अपने गेंदबाजी एक्शन को मंजूरी दिलाने और निलंबन हटाने के प्रयास में एक मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र में पुनर्मूल्यांकन के लिए उपस्थित होंगे।

सितंबर में इंग्लिश काउंटी क्रिकेट मैच के दौरान संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट किए जाने के बाद, शाकिब इस महीने की शुरुआत में यूके में आईसीसी द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र, लॉफबोरो विश्वविद्यालय में अपने गेंदबाजी एक्शन के स्वतंत्र मूल्यांकन में विफल रहे। इसके बाद ईसीबी ने कार्रवाई की और, अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए आईसीसी के नियमों के खंड 11.3 के अनुसार, जब कोई राष्ट्रीय महासंघ किसी खिलाड़ी को अपनी घरेलू प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित करता है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आईसीसी द्वारा निलंबन को स्वचालित रूप से मान्यता दी जाती है और सभी राष्ट्रीय क्रिकेट महासंघों द्वारा उनकी संबंधित घरेलू प्रतियोगिताओं में लागू किया जाता है। यह आधिकारिक सूचना प्राप्त होने पर बिना किसी और औपचारिकता की आवश्यकता के तुरंत लागू होता है। बीसीबी के बयान में कहा गया है, "बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित किया गया है कि राष्ट्रीय टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अधिकार क्षेत्र के तहत प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, शाकिब को बांग्लादेश के बाहर घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी करने से भी निलंबित कर दिया गया है।

एक बार फिर अपनी पुरानी टीम गुजरात जायंट्स से खेलती नजर आयेंगी डॉटिन

एजेंसी, मुम्बई

वेस्टइंडीज की स्टार ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन को महिला प्रीमियर लीग (डबल्यूपीएल) 2025 में गुजरात जायंट्स ने (1.70 करोड़ रुपये) में खरीदा है। ऐसे में वह एक बार फिर घर वापसी हुई है। इसके तहत वह अपनी घरेलू फ्रेंचाइजी गुजरात जॉयंट्रस की ओर से खेलती नजर आयेंगी। डॉटिन को गुजरात ने नीलामी से पहले रिलीज कर दिया था। डिएंड्रा के नाम महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकार्ड है। उन्होंने 38 गेंदों पर शतक लगाया था। डॉटिन का आधार मूल्य 50 लाख था। इस वर्ग में 3 खिलाड़ियों ने अपना नाम शामिल कराया था। नीलामी में डॉटिन के लिए पहली बोली यूपी वॉरियर्स ने लगाई थी। वहीं पहले सत्र में गुजरात जॉयंट्स ने इस खिलाड़ी को बाहर कर दिया था। जॉयंट्स ने इस खिलाड़ी पर सीधे 85 लाख से बोली की शुरुआत की। डॉटिन को शामिल करने के लिए वॉरियर्स और जॉयंट्स में मुकाबला हुआ।

डॉटिन ने साल 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 38 गेंदों पर टी20 में शतक लगा दिया था। उस मैच में इस क्रिकेटर ने 45 गेंदों पर नाबाद 112 रन बनाये थे। डॉटिन आक्रामक बल्लेबाजी के साथ ही कसी हुई गेंदबाजी के लिए भी जानी जाती हैं। ऐसे में लीग में गुजरात को उसका फायदा मिलेगा।

अंडर-17 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस क्वालीफायर : मेजबान युगांडा ने तंजानिया के साथ ड्रा खेला

एजेंसी, कंपाला

मेजबान युगांडा ने रविवार को सीईसीएएफए जोन के लिए टोटलएनर्जीज अंडर-17 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) फुटबॉल टूर्नामेंट क्वालीफायर के ग्रुप ए के अपने पहले मैच में तंजानिया के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। तंजानिया ने मैच की शुरुआत मजबूत टीम के रूप में की और 19वें मिनट में कंपाला के नकीवुबो हम्ज़ स्टेडियम में सालेह एले के गोल के ज़रिए बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद मैच के 58वें मिनट में युगांडा ने इसिमा मगाला के ज़रिए गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। घरेलू टीम ने गोल करने के बाद गति पकड़ी और लगातार हमले किए, जबकि तंजानियाई टीम ने रक्षा में मज़बूती से काम किया। मगाला के पास युगांडा के लिए मैच जीतने का आखिरी मिनट का मौका था, लेकिन उनका शॉट लक्ष्य से चूक गया। मैच के बाद तंजानिया के कोच एग्री मोरिस एम्ब्रोस ने कहा कि युगांडा की मजबूत टीम के खिलाफ ड्रॉ खेलना अच्छी शुरुआत थी। पूर्व तंजानियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने कहा, "हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन युगांडा ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन किया।" उनके समकक्ष सेन्योंडो ने कहा कि पहले मैच में ड्रॉ खेलने के बाद युगांडा के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी ग्रुप मैच में केन्या को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। दक्षिण सूडान, जिसने पहले मैच में सोमालिया को 3-0 से हराया था, अब ग्रुप बी में शीर्ष पर है, जबकि तंजानिया और युगांडा के पास ग्रुप ए में एक-एक अंक है। बुधवार को तंजानिया का सामना केन्या से ग्रुप ए में होगा, जबकि दक्षिण सूडान का सामना ग्रुप बी के मैच में सूडान से होगा। सर्वश्रेष्ठ दो टीमें अगले साल कोट डी आइवर में होने वाले अंडर-17 एएफसीओएन के लिए क्वालीफाई करेंगी।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाले शीर्ष तीरंदाजों में दीपिका, अंकिता भक्त, धीरज शामिल

एजेंसी, जमशेदपुर

व्यस्त 2025 कैलेंडर से पहले दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त, बी धीरज, अभिषेक वर्मा और अदिति स्वामी सहित देश के शीर्ष तीरंदाज सोमवार से यहां शहर के मध्य स्थित गोपाल मैदान में शुरू होने वाली साल की अंतिम राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में खुद को परखेंगे। सबसे उल्लेखनीय अनुपस्थिति प्रतिष्ठित कंपाउंड तीरंदाज वी. ज्योति सुरेखा की होगी, क्योंकि एथलीट और उनकी राज्य इकाई, आंध्र प्रदेश तीरंदाजी संघ के बीच मतभेद हैं। ओलंपिक में एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, दीपिका ने अक्टूबर में मैक्सिको के त्लाक्सकाला में विश्व कप फाइनल में रजत पदक हासिल करके कुछ सम्मान हासिल किया और वह साल का समापन अच्छे नोट पर करना चाहेंगी। धीरज, जिन्होंने अंकिता के साथ मिलकर पेरिस ओलंपिक की मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था, के लिए राष्ट्रीय स्पर्धा अगले ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियों की शुरुआत है। तीरंदाजों का पहला लक्ष्य, जिनमें से कुछ ने हाल ही में विदेशों में इनडोर स्पर्धाओं में भाग लिया है, अगले महीने उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए पात्र होने के लिए अच्छी रैंकिंग प्राप्त करना होगा। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप, विश्व खेल, एशियाई चैंपियनशिप और विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं से भरा कैलेंडर है।

राशिद खान की अफगानिस्तान टेस्ट टीम में वापसी

एजेंसी, काबुल

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान तीन साल से ज़्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें जिम्बाब्वे में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए टीम में शामिल किया गया है। राशिद ने इससे पहले कमर में चोट के कारण मेडिकल सलाह पर लंबे फ़ॉर्मेट से ब्रेक लिया था। राशिद ने अपना आखिरी टेस्ट भी जिम्बाब्वे के खिलाफ मार्च 2021 में अबू धाबी में खेला था।

टीम में ऑलराउंडर इस्मत आलम, बाएं हाथ के स्पिनर जहीर शहजाद और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बशीर अहमद अफगान सहित सात अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। तीनों को उनके मजबूत घरेलू प्रदर्शन का इनाम मिला है और वे अजमतुल्लाह उमरजई, फरीद अहमद, रियाज हसन और सेदिकुल्लाह अटल के साथ जुड़ेंगे, जिन्होंने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। हालांकि, उमरजई, फरीद और रियाज सभी न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा थे, जो इस साल की शुरुआत में सितंबर में एक भी गेंद फेंके बिना धुल गया था।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के अंतरिम मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने एक बयान में कहा, "राशिद खान की टेस्ट टीम में वापसी हुई है, जो हमारे लाल गेंद के खेल के लिए एक आशाजनक संकेत है। बाकी टीम ने हाल ही में नांगरहार प्रांत में अच्छी तैयारी की, जिसमें 19 खिलाड़ी और सभी सहायक कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने खिलाड़ियों के साथ काम किया और श्रृंखला के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित की। हमने पूरी तरह से कार्यवाही की निगरानी की है और टीम का चयन किया है, जिसमें इस्मत आलम, बशीर अहमद और जहीर शहजाद सहित कई नए चेहरे शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में अहमद शाह अब्दाली प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है।" इस बीच, नासिर जमाल, जिया उर रहमान और मोहम्मद इब्राहिम रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में समूह का हिस्सा होंगे। अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट, जो टीम के जिम्बाब्वे दौरे के वनडे चरण के प्रभारी थे, ने व्यक्तिगत कारणों से इस दौरे के अन्य प्रारूपों के लिए खुद को अनुपलब्ध कर लिया है। ट्रॉट की अनुपस्थिति में हामिद हसन मुख्य कोच और नवरोज मंगल सहायक कोच के रूप में काम करेंगे। हशमतुल्लाह शाहिदी टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, जबकि रहमत शाह उनके डिप्टी होंगे। बुलावायो दोनों टेस्ट मैचों की मेजबानी करेगा, यह श्रृंखला 26 दिसंबर से 6 जनवरी तक चलेगी।

अफगानिस्तान की टेस्ट टीम इस प्रकार है- हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), इकराम अलीखाइल (विकेटकीपर), अफसर जजई (विकेटकीपर), रियाज हसन, सेदिकुल्लाह अटल, अब्दुल मलिक, बहिर शाह, इस्मत आलम, अजमतुल्लाह उमरजई, जहीर खान, जिया उर रहमान , जहीर शहजाद, राशिद खान, यामीन अहमदजई, बशीर अहमद, नवीद जादरान, फरीद अहमद।

चिंतन मनन

प्रकृति की तीन शक्तियां

प्रकृति में तीन शक्तियां हैं- ब्रह्म शक्ति, विष्णु शक्ति और शिव शक्ति। प्रायः तुममें कोई भी एक शक्ति अधिक प्रबल होती है। ब्रह्म शक्ति वह ऊर्जा है जो नव-निर्माण करती है; विष्णु शक्ति ऊर्जा का पालन करती है और शिव शक्ति वह ऊर्जा है जो रूपांतरण करती है- नया जीवन देकर या संहार कर। तुममें से कुछ हैं जिनमें ब्रह्म शक्ति प्रबल है। तुम सृष्टि तो कर सकते हो, पर अपनी रचना को सुरक्षित नहीं रख पाते। हो सकता है तुम तुरंत ही नए मित्र बना लो, परंतु वह मित्रता अधिक समय तक टिकती नहीं। तुममें कुछ और लोग हैं जिनमें विष्णु शक्ति है। तुम रचना नहीं कर सकते, परंतु जो है उसे अच्छी तरह संभालकर रखते हो। तुम्हारी सभी पुरानी दोस्ती बहुत स्थायी होती है, परंतु तुम नए मित्र नहीं बना पाते। और तुममें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें शिव शक्ति प्रबल है। वे नव-जीवन लाते हैं या रूपांतरण, या जो है उसे खत्म करते हैं। गुरु शक्ति में ये तीनों शक्तियां पूर्ण रूप से प्रफुल्लित हैं। पहले यह पहचानो कि तुममें कौन-सी शक्ति प्रबल है और फिर गुरु शक्ति की आकांक्षा करो, प्रार्थना करो। संपूर्ण सृष्टि सरलता और बुद्धिमत्ता के मंगलमय लय से प्रकृति के नियमों पर चल रही है। यही मंगल ही दिव्यता है। शिव वह सामंजस्यपूर्ण सरलता है जो कोई नियंत्रण नहीं जानती। शिव का विपरीत है वशी, यानी नियंत्रण। नियंत्रण मन का होता है। नियंत्रण का अर्थ है दो, द्वैत, कमजोरी। वशी का अर्थ है स्वाभाविकता से कुछ करने के बजाय दबाव द्वारा कुछ करना। प्रायः लोग समझते हैं कि उनका जीवन, परिस्थितियां उनके नियंत्रण में, उनके वश में हैं; परंतु नियंत्रण एक भ्रम है, मन में क्षणिक ऊर्जा का दबाव नियंत्रण है। यह है वशी। शिव इसका विपरीत है। शिव ऊर्जा का स्थाई और अनंत स्रेत है, सत्ता की अनंत अवस्था, वह एक जिसका कोई दूसरा नहीं है। द्वैत भय का कारण है और वह सामंजस्यपूर्ण सरलता द्वैतवाद को विलीन करती है। जब एक क्षण पूर्ण है, संपूर्ण है; तब वह क्षण दिव्य है। वर्तमान क्षण में देने को है- न भूतकाल का पछतावा, न भविष्य की कोई मांग। समय रुक जाता है, मन रुक जाता है। तुम्हारे शरीर के प्रत्येक कोष में पांचों इंद्रियों की क्षमता है। आंखों के बिना तुम देख सकते हो, दृष्टि चेतना का अंश है; इसीलिए स्वप्न में तुम आंखों के बिना देख सकते हो।

दहेज प्रथा को खत्म करना हम सब की साझी जिम्मेदारी

अभी कुछ दिनों से इंजीनियर का मामला विमर्श का विषय बना हुआ है' सोशल मीडिया के दौर में हर कोई अपना मत प्रस्तुत कर रहा है, मैं समझता हूं कि हर मुद्दे पर अपनी राय रखना भी नहीं चाहिए' देखिए अगर किसी महिला ने गलत किया है तो इससे यह सिद्ध नहीं होता कि सारी की सारी महिलाएं खराब होती हैं या क्रूर होती है और अगर किसी पुरुष ने किसी महिला के साथ क्रूरता कर दी तो इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुरुष क्रूर होता है' अगर किसी वर्ग के किसी व्यक्ति ने कुछ गलत किया है तो इसका मतलब यह नहीं कि सारे वर्ग को कटघरे में खड़ा कर दिया जाए' यह बहुत नॉर्मल बात है केवल समझने की दरकार है' मैं ऐसे कितने लोगों को जानता हूं जिन्होंने महिलाओं के साथ क्रूरता की है' ऐसी कितनी सारी महिलाएं हर रोज क्रूरता का शिकार होती हैं' संभवत आप सब भी जानते होंगे तो इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुरुष को क्रूर कहा जाए' हम समाज का अध्ययन करेंगे तो पता चलेगा कि भारत में खासकर हिंदी पट्टी राज्यों में अधिकांश लोगों का शादी सीजन में इन्हीं बातों पर दिन खर्च हो जाता है कि किसको कितना दहेज मिला है किसको कितना पैसा मिला है, किसको कौन सी गाड़ी मिली है' हिंदी पट्टी की यह भी एक सच्चाई है' हम कितने भी प्रोग्रेसिव बनने का ढोंग करें सच यही है कि हम अपने रिश्तेदारों को दहेज लेने - देने से भी रोक नहीं पाते' खुद से पूछिए आपने ऐसी कितनी शादियों का बहिष्कार किया या अपने रिश्तेदारों को दहेज न लेने, देने और जागरूक किया, दरअसल दूसरों को हर रोज आईना दिखाने वाला समाज कभी आईना नहीं देखता... गर आईना देखेंगे तो समाज में व्याप्त कुरीतियों को खत्म किया जा सकता है' यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है' हमारे यहां गवर्नमेंट जॉब, या किसी बड़ी नौकरी का बच्चों से ज्यादा माता-पिता में एक फितूर होता है, कि मेरा बेटा नौकरी से लग जाए तो सबसे पहले मैं उसकी बोली लगाऊँ' अधिकांश यही होता है, हां मैं बड़ी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं' कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जो अपनी बेटियों की शादी तभी करते हैं जब वे लड़के वाले से पैसे ले लेते हैं' कई जगह मिसमैच शादियाँ ऐसे भी होती हैं' यह हद्द गंदी बात है और इसीलिए मैं हमेशा कहता हूं किसी भी संदर्भ में देखिए ये सबसे खराब दौर है' हर मुद्दे पर लोग अपनी राय देने के लिए तैयार बैठे होते हैं' मुझे लगता है की राय दी जानी चाहिए बशर्ते आपको उसके बारे में जानकारी हो, अन्यथा नहीं बोलना चाहिए' मुझे नहीं पता किसका दोष है, हमारा सहज लोगों का समाज नहीं है' अगर एक आदमी दोषी है या एक महिला दोषी है तो पूरे वर्ग को लपेटना और पूरे वर्ग को दोषी कहना कहीं से भी जायज नहीं है' हमारे देश की लगभग 70 फीसदी महिलाएं कभी न कभी अपनी ज़िंदगी में क्रूरता की शिकार होती है' यह भी सच है शादी के बाद अधिकांश दहेज के जो मामले होते हैं वह अधिकांश झूठे होते हैं' कुछ सालों से पुरुष प्रताड़ना के केस भी खुलकर सामने आ रहे हैं' हालांकि इससे कौन इंकार करेगा हमारे देश में दहेज खूब लिया जाता है, खूब दिया जाता है' हम बहुत से ऐसे लोगों को जानते हैं जो बहुत पढ़े लिखे हैं समाज में बहुत अच्छी उनकी इज्जत है और वे समय - समय पर अच्छी खासी तकरीरें भी करते हैं लोगों को जागरूक करने का ढोंग भी करते हैं, लेकिन दहेज लेते हैं' कई तो दहेज बताते हैं कि इतने पैसे मिले हैं, बड़ी गाड़ी मिली है' मतलब हिन्दी पट्टी में ये भी इज्जतअफजाई का एक कारण होता है' अभी पिछले हफ़्ते एक सज्जन मुझे बता रहे थे कि दिलीप मैंने अपनी बेटी की शादी 25 लाख में तय किया है घर अच्छा है लड़का सरकारी नौकरी करता है, मेरी बेटी को आराम रहेगा जबकि वे सज्जन राजनेता हैं. 25 लाख इसलिए क्योंकि पहले ही किसी ने 20 लाख रुपये का दहेज देने की बोली लगाई हुई थी' जबकि वो लड़का सरकारी अध्यापक है' मैंने कहा मुझे लेकर चलना फ्री शादी न हो तो कहना और आपने पैसे क्यों दिए? जिगर का टुकड़ा (बेटी) दिया यह क्या कम है? फिर ऐसे लालची लोगों के यहां रिश्ता क्यों करना? उन्होंने कहा कि फिर तो उनसे बुराई हो जाएगी अगर आपको लेकर चलेंगे' और फि र सरकारी नौकरी वाले लड़के आसानी से मिलते नहीं है' मैं सच कह रहा हूं मैं ऐसी फूहड़ अश्लील शादियों में शामिल ही नहीं होता' मुझे लेने वालों से ज्यादा दहेज देने वालों पर ज़्यादा गुस्सा आता है' दहेज देने की अपेक्षा बेटियों को पढ़ाने पर जोर देना चाहिए' यह समाज कैसे बदलेगा? इंजीनियर वाले मामले ने एक चिंता ये भी बढ़ा दी है कि सामाजिक स्तर खराब हुआ है' हम सब के लिए चिंता की बात है' इंजीनियर के साथ गलत हुआ है उसका मूल्यांकन होना चाहिए' अगर दहेज से संबंधित किसी कानून में कोई त्रुटि है तो उसकी कमियां दूर होना चाहिए' इंजीनियर के साथ क्रूरता हुई है उसकी पत्नी को सजा मिलनी ही चाहिए' किसी के साथ भी अन्याय मानवता पर प्रश्न चिन्ह है' हमारे देश का कानून भी लोगों के लिए अलग - अलग प्रकार से न्याय करता हुआ दिखता है.... हालाँकि जब तक हमारे दिमाग में दहेज, पुरुष प्रधानता जैसे मकड़जाल रहेंगे, इंजीनियर जैसे मामले आते रहेंगे'

विश्व हिन्दू परिषद् : कल आज और कल

इलाहबाद कभी न केवल कांग्रेस बल्कि समाजवादी व आर एस एस व विश्व हिन्दू परिषद् के भी वरिष्ठ व राष्ट्रीय स्तर के नेताओं का गढ़ हुआ करता था। नेहरू-गाँधी परिवार की तो यह कर्मस्थली थी ही इसके अतिरिक्त पुरषोत्तम दस टंडन,मदन मोहन मालवीय जैसी अनेक विभूतियाँ भी इसी शहर से सम्बद्ध रहीं। इसी तरह दक्षिणपंथी विचारधारा के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख रहे राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जु भैय्या का नाम भी इलाहाबाद से ही जुड़ा हुआ है। ऐसा ही एक नाम था जस्टिस शिव नाथ काटजू का जोकि 1980 के दशक में विहिप के अध्यक्ष भी चुने गये थे । जस्टिस काटजू ने अयोध्या में विवादित बाबरी मस्जिद की जगह पर राम मंदिर के निर्माण के लिए शुरूआती अभियान चलाया था। और इसी दौरान उन्हें नजरबंद भी कर दिया गया था। चूँकि मेरी भी औपचारिक शिक्षा इलाहाबाद में ही हुई इसलिये उस दौर के अनेक विशिष्ट जनों के साथ संबंध रखने का भी सौभाग्य मिला। जस्टिस काटजू भी उन्हीं में एक थे जिनके पास अक्सर मेरा आना जाना रहता था। जस्टिस काटजू विहिप के अध्यक्ष तो जरूर थे परन्तु वे पूर्णतयः धर्मनिर्पेक्ष थे। इस्लामी इतिहास का भी उन्हें जबरदस्त ज्ञान था। शिया -सुन्नी विवाद और करबला की घटना जैसे विषयों पर तो वे अक्सर मेरे साथ बातें किया करते और मेरा ज्ञान वर्धन किया करते थे। बात 1977-78 की है उस दौरान मैं इलाहबाद के मुहल्ला दरियाबाद के इमामबाड़ा सलवात अली खान नामक एक ट्रस्ट से परिवारिक रूप से जुड़ा हुआ था। यहाँ अनेक धार्मिक आयोजन हुआ करते हैं। इन्हीं में एक चालीसवें का जुलूस (मुहर्रम के चालीस दिन बाद) भी इसी इमामबाड़े से निकला जाता है। इसी जगह से निकलने वाले चालीसवें के जुलूस का प्रारंभिक संबोधन करने के लिये जब मैंने जस्टिस काटजू से निवेदन किया तो वे खुशी खुशी तैयार हो गये। हालांकि उन्होंने अयोध्या में मंदिर के निर्माण के लिए शुरू हुये विहिप आंदोलन तथा दरियाबाद की घनी मुस्लिम आबादी को भी रेखांकित किया। परन्तु मेरे संपूर्ण सुरक्षा व शांतिपूर्ण आयोजन के आश्वासन के बाद वे कार्यक्रम से पूर्व स्वयं अपनी एम्बेसडर कार चलाकर बिल्कुल अकेले ही दरियाबाद पधारे। यहाँ दरियाबाद चौराहे पर मौजूद मेरे साथियों ने उनका स्वागत किया व पूरे सम्मान के साथ उन्हें इमामबाड़ा सलवात अली खान लेकर गये। यहाँ मौजूद समूह के बीच जस्टिस काटजू ने कर्बला की घटना का जिक्र करते हुये न केवल अपनी तरफ से बल्कि विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष होने की हैसियत से विहिप की तरफ से भी हजरत इमाम हुसैन व करबला के शहीदों को बड़े ही भावपूर्ण शब्दों में श्रद्धांजलि अर्पित की। शेरवानी,टोपी और चूड़ीदार पैजामा जैसा परिधान प्रायः धारण करने वाले काटजू साहब सभी धर्मों का पूरा ज्ञान रखते थे तथा उन्हें सम्मान भी देते थे। वे विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष होने के बावजूद सभी धर्मों में परस्पर मेल जोल व सद्भाव के पक्षधर थे। उन्हें उर्दू आरबी फारसी का भी पूरा ज्ञान था। यह था उस दौर के विश्व हिंदू परिषद का वह चेहरा जिससे भारत का गैर हिन्दू समाज कभी भयभीत नहीं होता था। उसके बाद जबसे गुजरात को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रयोगशाला कहा जाने लगा तब से इसी विश्व हिंदू परिषद ने खुलकर इस्लाम व अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी आक्रामकता दिखानी शुरू कर दी। इसी विश्व हिंदू परिषद में बजरंग दल नामक एक और संगठन तैयार हो गया जो समय समय पर आक्रामक होते नजर आया। आज पूरे देश में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल पर अनेक आपराधिक मुकददमे चल रहे हैं। इसी विश्व हिंदू परिषद ने योजनाबद्ध तरीके से गुजरात से शुरू कर कॉरोनकाल के दौरान देश के कई राज्यों में मुस्लिम दुकानदारों के प्रति नफरत फैलाकर उनसे सब्जी फल व अन्य सामान खरीदने के लिये हिन्दू समाज के लोगों को मना किया। सीधे शब्दों में मुस्लिमों का व्यवसायिक बहिष्कार करने की कोशिश की गयी। इसी विहिप ने बेटी बचाओ बहू लाओ नामक एक अभियान भी चलाया जिसके अंतर्गत किसी हिन्दू लड़की के मुस्लिम लड़के से प्रेम संबंध होने की स्थिति में उस रिश्ते में दखल देना तथा वह अंतर्धार्मिक सम्बन्ध परवान न चढ़ने देना है। जबकि साथ ही हिन्दू लड़कों को इस बात के लिये आमादा करना है कि वे मुस्लिम लड़कियों से दोस्ती कर उनको बहू बनाकर लाएं। गुजरात सहित और भी कई राज्यों से ऐसी खबरें भी आती रही हैं जबकि विहिप के लोगों ने किसी मुस्लिम को किराये पर मकान देने का विरोध किया तो कभी खरीदे हुये फ़्लैट में भी कब्जा लेने व उनके रहने का विरोध किया। कई जगहों पर विश्व हिंदू परिषद के लोग मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग करने वालों का साथ देते यहाँ तक कि उनके समर्थन में सड़कों पर उतरते,उग्र होते व हत्यारों को सम्मानित करते नजर आये। आज का विश्व हिंदू परिषद तो पूरी तरह से अपने उन बुनियादी सिद्धांतों से दूर होता नजर आ रहा है जिसे लेकर हिंदू राष्ट्रवाद पर आधारित इस भारतीय दक्षिणपंथी हिंदू संगठन की स्थापना 1964 में की गयी थी। उस समय इसका घोषित उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित व मजबूत करना और हिंदू धर्म की सेवा और सुरक्षा करना था न कि किसी अन्य धर्म के विरुद्ध आक्रामक होना या भारतीय लोगों में अफवाहबाजी के द्वारा नफरत हिंसा व विद्वेष भड़काना और किसी भारतीय नागरिक को दूसरे दर्जे का नागरिक समझना। न ही किसी की मस्जिद मजार गिराना व अन्य धर्मों की ध्वजा उतारकर अपनी धर्मध्वजा लहराना। न ही इस तरह के अभियान चलाना । परन्तु इससे भी आगे बढ़कर आज का विश्व हिन्दू परिषद तो गोया संविधान विरोधी संवाद को भी हवा देने वाला एक मंच बन चुका है। इनदिनों इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर यादव द्वारा दिया गया एक असंवैधानिक भाषण जो कि गत 8 दिसम्बर को इलाहाबाद हाई कोर्ट के लाइब्रेरी हॉल में वीएचपी के विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया था वह न केवल चर्चा में है बल्कि उसी भाषण को लेकर जस्टिस शेखर यादव के विरुद्ध महाभियोग चलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। वीएचपी के लीगल सेल के इसी आयोजन में जस्टिस शेखर यादव ने समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता विषय पर बोलते हुए कहा था कि देश एक है, संविधान एक है तो कानून एक क्यों नहीं है? उन्होंने इसी मंच पर यह भी कहा कि हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा, यही कानून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो भैय्या बहुसंख्यक से ही चलता है। जस्टिस यादव के इस बयान के फौरन बाद ही कई नेताओं, वकीलों,पूर्व न्यायाधीशों व बुद्धिजीवियों द्वारा उनके इस बयान की निंदा की गयी उसे असंवैधानिक बताया गया और आखिरकार मामला महाभियोग तक आ पहुंचा। उनके विरुद्ध राज्यसभा के 55 सांसदों ने महाभियोग का प्रस्ताव लाने के लिये राज्य सभा में नोटिस दे दिया। यह भी सवाल उठने लगा कि एक वर्तमान न्यायाधीश का ऐसे कार्यक्रम में शामिल होना उचित भी है अथवा नहीं ? सवाल यह है कि आजका विश्व हिन्दू परिषद् जब संविधान विरोधी वक्तव्यों को अपने मंच से बढ़ावा दे रहा है,धर्म विशेष के विरोध में ही स्वयं को पनपते देख रहा है, हिंदू समाज को संगठित करने उसे मजबूत करने व हिंदू धर्म की सेवा व सुरक्षा के बहाने समाज में नफरत व हिंसा को बढ़ावा देते देते अब संविधान विरोधी विचारों को भी मंच प्रदान कर रहा है, आने वाले कल में वही विश्व हिन्दू परिषद् शिव नाथ काटजू जैसे परिषद् के पूर्व नेताओं के विचारों व उनके स्वभाव व आचरण से कितनी दूर जायेगा और देश को किस स्थिति में ले जायेगा इसका अंदाजा लगाने के लिये किसी और की बातें सुनने की जरुरत नहीं बल्कि खुद शिव नाथ काटजू के होनहार पुत्र व पूर्व जस्टिस मारकंडे काटजू के संघ सम्बन्धी विचारों को सुनकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

राष्ट्र निर्माण मेंराजभाषा हिंदी की भूमिका

देश के हर व्यक्ति में राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की भावना होनी चाहिए क्योंकि राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं है। नागरिक जितने जिम्मेदार होंगे, उस राष्ट्र की महिमा उतनी ही अधिक होगी। राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक का योगदान राष्ट्र की प्रगति में सहायक होता है, इसलिए हम जिस भी स्थिति और परिस्थितियों में हों, हमें राष्ट्र प्रेम की ज्योति जलाए रखनी होगी। इस सकारात्मक सोच से ही हमारे देश की व्यवस्था और मौजूदा व्यवस्था में सुधार हो सकता है। हम हर दिन जापान जैसे छोटे से देश को याद करते हैं कि कैसे एक छोटे से देश ने पूरी दुनिया में अपना एक नया मुकाम स्थापित किया है, चाहे वह तकनीक का मामला हो, अनुशासन का, स्वच्छता का या बुलेट ट्रेन का। अपने वर्चस्व की लड़ाई में जापान ने अपने बच्चों और बुजुर्गों का जो साथ दिया है, वह देखने लायक है। भारत भी बहुत सराहनीय तरीके से विकास कर रहा है और उसने चंद्रयान-3 जैसे मिशन से पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया है। जब हमारा देश विकसित होगा, तो हम भी विकसित कहलाएंगे और जब हमारे देश का सम्मान होगा, तो हम भी सम्माननीय कहलाएंगे। हमारे सीमा सुरक्षा बल को देश की सुरक्षा की पहली पंक्ति कहा जाता है। मैं यहां स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम सभी नागरिक अपने देश की सुरक्षा की पहली पंक्ति हैं और देश की सुरक्षा के लिए सजग हैं तथा समय आने पर मर मिटने के लिए भी तैयार हैं। युवाओं से अपेक्षा है कि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी क्षमता सिद्ध करें तथा सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हुए अपना तथा पूरे राष्ट्र का भला करें। हमारे संविधान में मौलिक कर्तव्यों में उल्लेख किया गया है कि हमें वैज्ञानिक सोच रखनी चाहिए। हमें प्रत्येक जीव के प्रति दया का भाव रखना चाहिए तथा पर्यावरण, वृक्ष, जलस्रोतों तथा जीव-जंतुओं की भी रक्षा करनी चाहिए। हम प्रदूषण, भ्रष्टाचार तथा अन्य कुरीतियों को समाप्त करके भी राष्ट्र सेवा का परिचय दे सकते हैं। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि राष्ट्र सेवा किसी भी प्रकार से की जा सकती है। अपनी भाषा तथा संस्कृति की रक्षा करना भी राष्ट्र सेवा है तथा समाज के उत्थान के लिए कार्य करना भी राष्ट्र सेवा है।15 अगस्त 1947 को हमें आजादी मिलने के बाद, देश के लोगों को यह लगने लगा था कि भारत सरकार द्वारा अब आगे अपने कार्य-कलाप अंग्रेजी भाषा में नहीं किए जाने चाहिए। परंतु प्रश्न यह था कि अंग्रेजी नहीं तो आखिर भारत

सरकार किस भाषा में अपना कार्य-कलाप करे? काफी सोच-विचार तथा विचार-विमर्श के पश्चात 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को सर्वसम्मति से, ध्यान दें कि सर्वसम्मति में किसी पर कुछ थोपने या लादने जैसी कोई बात नहीं होती, संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया तथा इसको अमल में लाते हुए भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 के ,खण्ड 1 में यह प्रावधान किया गया कि ह्यसंघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी ह्व व ह्य संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अन्तरराष्ट्रीय रूप होगा ह्व इस पर भी भारत के बहुभाषी स्वरूप को ध्यान में रखते हुए अनुच्छेद 343 के, खण्ड 2 में यह व्यवस्था की गई कि भारत के संविधान लागू होने के 15 वर्ष बाद तक भी संघ के शासकीय प्रयोजनों में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा व खण्ड 3 ए के अनुसार 15 वर्ष के बाद भी संसद विधि द्वारा अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किए जाने की व्यवस्था कर सकेगी। ज्ञातव्य है कि संविधान के लागू होने के 74 वर्ष बाद तक आज भी अंग्रेजी का प्रयोग जारी है। तो प्रश्न है कि हिन्दी को कहाँ, कब और किस पर थोपा गया। इससे भी आगे बढ़कर संविधान के अनुच्छेद 345 में यह प्रावधान किया गया कि भारत के राज्यों के विधान मण्डल, विधि द्वारा उस राज्य में प्रयोग होने वाली भाषाओं में से किसी एक या एक से अधिक भाषाओं को अपने राज्य की राजभाषा या राजभाषाएं बना सकते हैं। इसमें भी हिन्दी के लिए किसी प्रकार की कोई जबरदस्ती या दुराग्रह नहीं था। 1963 में जब भारत सरकार द्वारा ह्यराजभाषाह्व अधिनियमह्व लाया गया तो उसकी धारा 3.3 में प्रावधान रखा गया कि केन्द्र सरकार के कार्यालयों द्वारा ऐसे सभी दस्तावेज जिनका स्वरूप सार्वजनिक हो अनिवार्य रूप से द्वि-भाषी यानि कि हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किए जाएं न कि केवल हिन्दी में। संविधान में क्योंकि हिन्दी को संघ की राजभाषा बनाया गया अतः इसके अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के प्रसार को बढ़ाना तथा उसका विकास करना संघ का कर्तव्य तो निश्चित किया गया और इसी सब परिप्रेक्ष्य में संघ द्वारा राजभाषा अधिनियम 1963 तथा राजभाषा नियम 1976 भी लाए गए, परंतु विशेष बात यह है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति हिन्दी का प्रसार प्रोत्साहन द्वारा किए जाने की रही, राजभाषा नियमों को लागू हुए 42 वर्ष से भी अधिक का समय हो गया है परंतु आज तक भी सरकार उनको पूरी तरह से लागू किए जाने के लिए प्रयासरत ही है।14सितम्बर 24 को इसके लिए हिंदी दिवस मनाया जाता है इस अवसर पर इससे सम्बंधित बहुत अच्छे लेखों को इस अंक में समाहित किया गया है जो अवश्य ही राजभाषा हिंदी में विज्ञान लेखन हेतु पाठकों को अधिक रूचि पैदा करेगी राजभाषा नियमों का पालन न किए जाने के लिए आज तक शायद ही किसी भी व्यक्ति को कभी-कहीं पर भी दण्डित किया गया हो, क्योंकि संविधान में, राजभाषा अधिनियम में या राजभाषा नियमों में इसका कहीं कोई प्रावधान ही नहीं है। इस पर भी सरकार को बार-बार यह आश्वासन देना पड़े कि हिन्दी को किसी पर लादा या थोपा नहीं जाएगा तो क्या यह अपने आप में एक गहन आश्चर्य उत्पन्न नहीं करता?

चर्चा-ए-संविधान- सांसद....जनता समझ नहीं पाई मकसद...?

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के निचले सदन संसद लोकसभा में 13-14 दिसंबर 2024 को संविधान पर चर्चा को पूरी दुनियाँ ने देखा जो अब 16-17 दिसंबर 2024 को उपरी सदनराज्यसभा में भी होगी। लोकसभा की चर्चा पर मैंने दोनों दिन बारीकी से पैनी नजर रखी व 14 दिसंबर 2024 को माननीय पीएम के जवाब के बाद सोशल इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया प्लेटफार्मस पर लगातार डिबेट मुलाकातें वदर्शकों द्वारा कमेंट्स का जोरदार दौर चल पड़ा जिसमें मैंने देखा कि बहुतेक विश्लेषकों कमेंट्स कताओं को चर्चा का मकसद समझ नहीं आया, क्योंकि इसमें हर राजनीतिक दल, संविधान संशोधन के इतिहास की बातकर एक दूसरे दल की टांग खिंचाई एक दूसरे के संशोधनों को गैरवाजबी व मतलबी संशोधन की संज्ञा देते रहे, तो किसी ने इसको इतिहास की क्लास की संज्ञा दी। मैंने विशेषण किया तो मुझे भी इस पर सार्थक चर्चा नजर नहीं आई क्योंकि सभी दल एक दूसरे के द्वारा किए गए संशोधनों पर उंगली उठा रहे थे, इस पार्टी या व्यक्ति ने इतने, तो उस पार्टी या व्यक्ति ने उतने संशोधन किया। विशेष रूप से विपक्षी नेता के 25 मिनट के संबोधन में बहुत समय पीएम उपस्थित नहीं थे, तो वही 1 घंटा 50 मिनट के पीएम के संबोधन में कुछ समय विपक्षी नेता उपस्थित नहीं दिखे, परंतु इन सब से हटकर किसी ने भी ऐसा विचार व्यक्त नहीं किया कि आओ विजन 2047 को रेखांकित कर हम संविधान में इस तरह का संशोधन आगे करें कि विजन को शीघ्रअपनी डेट लाइन से पहले सार्थक सफल बनाने के लिएसंविधान में संभावित संशोधन कर रणनीति बनाएं ताकि हम इस लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त कर सकें। मुझे उम्मीद है कि 16-17 दिसंबर 2024 को उच्चसदन राज्यसभा में इसपर सार्थक चर्चा जरूर होगी।चूँकि लोकसभा में 13-14 दिसंबर 2024 को संविधान, पर चर्चा इतिहास की क्लास लगी अब राज्यसभा में 16-17 दिसंबर को चर्चा पर दुनियाँ की नजरें लगी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,चर्चा-ए-संविधान, एट द रेट-ऑफ सांसद...जनता समझ नहीं पाई मकसद..। साथियों बात अगर हम संविधान पर चर्चा में विपक्ष के नेता के संबोधन की करें तो,शनिवार को संसद में अपने भाषण की शुरूआत करते हुए उन्होंने सावरकर का ज़िक्र किया और कहा, सावरकार ने लिखा है कि भारत के संविधान के बारे में सबसे खराब चीज ये है कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है।वेदों के बाद मनुस्मृति वो ग्रंथ है जो हमारे हिंदू राष्ट्र के लिए सबसे पूजनीय है और ये प्राचीन समय से हमारी संस्कृति, रीति-रिवाज, विचार और व्यवहार का आधार बना हुआ है, आज जो मनुस्मृति कानून है उन्होंने जो कहा वो सावरकर के शब्द हैं।उन्होंने कहा, सावरकर ने अपने लेखन में साफ कर दिया है कि हमारे संविधान में भारतीयता का कोई अंश नहीं है।उन्होंने कहा है कि भारत को इस किताब (संविधान) से नहीं बल्कि इस किताब (मनुस्मृति) से चलाया जाना चाहिए।उन्होंने कहा,आज इसी की लड़ाई है, मैं सत्ता पक्ष के लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्या आप सावरकर के शब्दों का समर्थन करते हैं, क्योंकि जब आप

संविधान के पक्ष में संसद में बोलते हैं तो आप सावरकर का मजाक उड़ा रहे होते हैं, उनको बदनाम कर रहे होते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में इसके अलावा अग्निवीर , पेपर लीक, किसानों और उत्तर प्रदेश के बारे में भी कहा।उन्होंने कहा,आप महात्मा गांधी, पेरियार और दूसरे महान नेताओं की तारीफ करते हैं लेकिन हिचकिचाते हुए, सच तो ये है कि आप भारत को उसी तरह से चलाना चाहते हैं जैसे पहले चलाया जाता था।उन्होंने महाभारत के पात्र एकलव्य का ज़िक्र किया और कहा,जैसे एकलव्य ने तैयारी की थी, वैसे ही हिंदुस्तान के युवा सुबह उठकर अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन जब आपने अग्निवीर लागू किया, तब आपने उन युवाओं की उंगली काटी,जब पेपर लीक होता है, तब आप युवाओं काअंगूठा काटते हैं।उन्होंने दिल्ली की सरहदों के पास किसानों के विरोध प्रदर्शन के बारे में कहा आज आपने किसानों पर आंसू गैस चलाया है,किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग करते हैं, लेकिन आप अडानी-अंबानी को फायदा पहुंचाते हैं।वे करीब 25 मिनट बोले।उनके बयान पर युवा मामलों के मंत्री ने जवाब दिया। उन्होंने कहा-आप अंगूठा काटने की बात कर रहे हैं। आपकी सरकार में तो सिखों के गले काटे गए, आपको देश से माफी मांगनी चाहिए। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा 14 दिसंबर 2024 को जवाबी संबोधन की करें तो, इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की, उन्होंने कांग्रेस पर तो निशाना साधा ही,सरकार की उपलब्धियां भी गिनवाईं और अनुच्छेद 370 पर भी बात की, उन्होंने परिवार का नाम नहीं लिया,लेकिन कहा कि कांग्रेस के एक परिवार ने हर स्तरपर देश को चुनौती दी है,उन्होंने कहा,इसलिए 75 साल में 55 साल एक परिवार ने राज किया,इसलिए देश में क्या-क्या हुआ ये जानने का सबको अधिकार है।उन्होंने कहा,1947 से 1952 तक इस देश में चुनी हुई सरकार नहीं थी।चुनाव नहीं हुए थे, एक अंतरिम व्यवस्था के रूप में खाका खड़ा किया गया था।1952 के पहले राज्यसभा का भी गठन नहीं हुआ था,राज्यों में भी कोई चुनाव नहीं थे, जनता का कोई आदेश भी नहीं था उसके बावजूद 1951 में जब चुनी हुई सरकार नहीं थी, उन्होंने संविधान को बदला और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला किया गया ये संविधान निमार्ताओं का अपमान था।उन्होंने अपने संबोधन में जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी का नाम लिया और कहा कि करीब छह दशक में 75 बार संविधान बदला गया।जो बीज देश के पहले प्रधानमंत्री जी ने बोया था,उस बीज को खाद-पानी देने का काम एक और प्रधानमंत्री ने किया।कोर्ट से एक वृद्ध महिला को उसका हक मिला था, राजीव गांधी ने शाह बानो की उस भावना को, सुप्रीम कोर्ट की उस भावना को, नकार दिया।उन्होंने वोट बैंक की राजनीति की खातिर संविधान की भावना को बलि चढ़ा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार कहा है कि देश में यूनिफार्म सिविल कोड जल्द से जल्द लाना चाहिए।संविधान निमार्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए हम पूरी ताकत से समान नागरिक संहिता को लाने में लगे हुए हैं।पीएम ने लोकसभा में 11 संकल्प रखे ये संकल्प है। हम इसी के हिसाब से आगे बढ़ रहे हैं (1) सभी नागरिक और सरकार अपने अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें।(2) हर क्षेत्र और समाज को विकास का समान लाभ मिले, सबका साथ, सबका विकासह्व की भावना बनी रहे।(3) भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए और भ्रष्टाचारियों की सामाजिक स्वीकार्यता समाप्त हो। (4)देश के कानूनों और परंपराओं के पालन में गर्व का भाव जागृत हो।(5) गुलामी की मानसिकता से मुक्ति मिले और देश की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व किया जाए। (6) राजनीति को परिवारवाद से मुक्त कर लोकतंत्र को सशक्त बनाया जाए।(7) संविधान का सम्मानहो और राजनीतिकस्वार्थ के लिए उसे हथियार न बनाया जाए। (8) जिन वर्गों को संविधान के तहत आरक्षण मिल रहा है, वह जारी रहे, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण न दिया जाए (9) महिलाओं के नेतृत्व में विकास को प्राथमिकता दी जाए (10) राज्य के विकास के माध्यम से राष्ट्र के विकास को सुनिश्चित किया जाए (11) एक भारत, श्रेष्ठ भारतह्व के लक्ष्य को सर्वोपरि रखा जाए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि चर्चा-ए-संविधान @सांसद.... जनता समझ नहीं पाई मकसद ?आम जनता संविधान संशोधनों का इतिहास आरोप प्रत्यारोप पर नहीं बल्कि विजन 2047 के संविधान का रोडमैप जानने में रुचिकर है ?लोकसभा में 13-14 दिसंबर 2024 संविधान चर्चा इतिहास की क्लास लगी ?अब राज्यसभा में 16-17 दिसंबर को चर्चा पर दुनियाँ की नजरें लगी।

...तो गंभीर रूप ले सकता है अनीमिया

अनीमिया एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें शरीर के अंदर खून की कमी हो जाती है। अगर समय रहते इसका निदान न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि आपको अनीमिया, उसके लक्षण व कारणों के बारे में पूरी जानकारी हो। साथ ही यह भी पता हो कि ऐसी कौन-सी चीजें हैं, जिन्हें खाने से अनीमिया को ठीक किया जा सकता है।

गंभीर रूप की ओर इशारा करते हैं। अगर अनीमिया लगातार बना रहे तो डिप्रेशन का रूप ले सकता है।

अनीमिया के प्रकार और कारण

अनीमिया 3 तरह का होता है– माइल्ड, मॉडरेट और सीवियर। अगर बॉडी में हीमोग्लोबिन 10 से 11 के आसपास हो तो इसे माइल्ड अनीमिया कहते हैं। वहीं अगर हीमोग्लोबिन 8 से 9 होता है तो इसे मॉडरेट अनीमिया कहते हैं। जबकि सीवियर अनीमिया में हीमोग्लोबिन 8 से कम होता है। यह एक गंभीर स्थिति होती है,

जिसमें मरीज की हालत के अनुसार खून चढ़ाने की भी नौबत आ जाती है। अनीमिया कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि हेमरेज होने या फिर लगातार खून बहने की वजह से भी शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसके अलावा फॉलिक ऐसिड, आयरन, प्रोटीन, विटमिन सी और बी 12 की कमी हो जाए तो अनीमिया हो सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, अगर फैमिली हिस्ट्री में ल्यूकेमिया या थैलीसीमिया की बीमारी रही है तो फिर उस स्थिति में अनीमिया होने के चांस 50 फीसदी तक बढ़ जाते हैं।

अनीमिया के लक्षण

सबसे पहले तो यह जानने की जरूरत है कि किन लोगों को अनीमिया आसानी से अपनी गिरफ्त में ले सकता है। ऐसे लोग जो लंबे समय से किसी बीमारी या इंफेक्शन का शिकार हैं उन्हें अनीमिया आसानी से हो सकता है। अनीमिया के कुछ प्रकार अनुवांशिक होते हैं, लेकिन यह खराब डायट और जीवनशैली की वजह से भी हो सकता है। बात करें इसके लक्षणों की, तो थकान, कमजोरी, त्वचा का पीला होना, दिल की धड़कन का असामान्य होना, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सीने में दर्द, हाथों और पैरों का ठंडा होना, सिरदर्द आदि अनीमिया की तरफ इशारा करते हैं। इसके अलावा स्टूल के कलर में बदलाव, कम ब्लड प्रेशर, स्किन का ठंडा पड़ना, स्प्लीन का साइज बढ़ना भी अनीमिया के लक्षण हैं।

ये लक्षण भी हैं खतरनाक

सिर, छाती या पैरों में दर्द होना, जीभ में जलन होना, मुंह और गला सूखना, मुंह के कोनों पर छाले हो जाना, बालों का कमजोर होकर टूटना, निगलने में तकलीफ होना, स्किन, नाखून और मसूड़ों का पीला पड़ जाना आदि कुछ ऐसे लक्षण हैं जो अनीमिया के एक

आयरन की कमी से होता है अनीमिया

अनीमिया रक्त संबंधित बीमारी है जो महिलाओं में ज्यादा पायी जाती है। शरीर में आयरन की कमी के कारण यह समस्या होती है। विटमिन बी12, फोलिक ऐसिड, कैल्शियम युक्त आहार आदि इससे बचाव करते हैं। इन चीजों से इस बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

रोज खाएं चुकंदर – चुकंदर में आयरन की भरपूर मात्रा होती है, इसे खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती। इसको रोज अपने खाने में सलाद या सब्जी बनाकर प्रयोग करने से शरीर में खून बनता है। चुकंदर की जड़ों को भी प्रयोग कर सकते हैं, इसमें विटमिन ए और सी होता है।

अंजीर खाएं – अनीमिया के लिए अंजीर काफी फायदेमंद माना जाता है। अंजीर में विटमिन बी12, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फॉरस, पोटैशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं जो खून की कमी को दूर करते हैं। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी मददगार है।

टमाटर का सूप पिएं – टमाटर में विटमिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें बीटा केरोटिन और विटमिन ई भी पाया जाता है जो आयरन की कमी को दूर करता है। टमाटर को सलाद के अलावा इसका सूप भी पी सकते हैं।

अंडा खाएं – अंडे में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है, यह एक अच्छा ऐंटिऑक्सिडेंट भी है जो शरीर को बीमारियों से बचाकर आयरन की कमी दूर करने में मदद करता है। एक बड़े अंडे में 1 ग्राम आयरन होता है जो खून की कमी दूर करता है। अंडे को ब्रेकफास्ट में शामिल कर खून की कमी दूर करें।

आयरन से भरपूर अनार – अनार ऐसा फल है जिसमें विटमिन सी और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अनार का सेवन करने से शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है और यह अनीमिया से लड़ने में भी मदद करता है। इसके अलावा अनार कमजोरी और थकान को भी दूर करता है।

फल और सब्जियां ज्यादा खायें – अनीमिया से ग्रस्त लोगों को यह सलाह दी जाती है कि वे फल और हरी सब्जियां ज्यादा खाएं। फल जैसे खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, आदि खाने से शरीर में खून तेजी से बढ़ता है और अनीमिया की शिकायत दूर होती है।

अनीमिया के बारे में खास बातें

अनीमिया मुख्य रूप से तीन तरह का होता है, लेकिन सबसे आम आयरन की कमी से होने वाला अनीमिया है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 90 फीसदी लोगों में यही अनीमिया होता है।

कुछ लोग आइस क्यूब बहुत खाते हैं। अगर ऐसा है तो फिर यह अनीमिया का लक्षण हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनीमिया की एक खास क्वॉलिटी भी होती है। अनीमिया मुख्य रूप से आयरन की कमी से होता है और जब शरीर में आयरन कम हो जाता है तो इंफेक्शन पैदा होने का खतरा नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर बैक्टीरिया अपनी पावर बढ़ाने के लिए आयरन पर निर्भर होते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, गर्भवती महिलाओं में अनीमिया होने का अत्यधिक खतरा रहता है। दुनियाभर में 40 फीसदी गर्भवती महिलाओं को अनीमिया होता है। वैसे तो गर्भवती महिलाओं में 20 से 30 फीसदी अधिक ब्लड सप्लाई होता है ताकि गर्भ में पल रहे बच्चे को ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन मिले। लेकिन ऐसा हमेशा संभव नहीं हो पाता कि गर्भवती महिलाओं के शरीर में इतनी अत्यधिक मात्रा में ब्लड प्रड्यूस हो।

वजन करना है कम या बीपी रखना है नॉर्मल तो रोज सुबह पिएं गर्म पानी

शरीर के लिए पानी कितना अहम है इसके बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह खाली पेट आप गर्म पानी पिएं तो हेल्थ को कई फायदे होते हैं।

पाचन रहे दुरुस्त

गर्म पानी पाचन में मदद करता है। ऐसा खाना जिसे पेट आसानी से पचा नहीं पा रहा हो उसे ब्रेक करने और पचाने में गर्म पानी काफी मदद करता है, इससे पेट साफ रहता है और पाचन संबंधी कोई और समस्या परेशान नहीं करती।

वेट लॉस

पाचन दुरुस्त रहे तो वेट लॉस में भी मदद मिलती है। साथ ही में गर्म पानी फैट लॉस में भी मदद करता है।

पेट दर्द व मरोड़ में राहत

पेट दर्द होने पर या मरोड़ चलने पर भी गर्म पानी काफी राहत देता है। हालांकि इसका ध्यान रहे कि पानी को धीरे-धीरे पिएं, एकदम से गर्म पानी पीना नुकसान कर सकता है। वहीं रोज सुबह गर्म पानी पिएंगे तो ये परेशानियां होंगी ही नहीं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

सुबह गर्म पानी पीने से ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारने में भी मदद मिलती है, यह बीपी को नॉर्मल रखने में भी मदद करता है।

गला रहेगा साफ

अक्सर सुबह उठने पर लोग कफ की शिकायत करते हैं, ऐसे में गर्म पानी पीने पर उन्हें राहत महसूस होगी। गर्म पानी कफ की समस्या को दूर कर गले को साफ रखता है।

बॉडी होगी टॉक्सिन फ्री

शरीर के टॉक्सिन को बॉडी से बाहर निकालने में भी गर्म पानी काफी मदद करता है। यह न सिर्फ हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालता है बल्कि स्किन पर भी ग्लो लाता है।

बारिश का मौसम वैसे तो इंजॉय करने वाला मौसम होता है लेकिन अकसर यह बीमारियों वाला मौसम साबित हो जाता है। बरसात होने के बाद तपती गर्मी से राहत तो मिलती है लेकिन उमस के कारण इस मौसम में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। इस कारण इस मौसम में कई बीमारियां फैलती हैं।

बरसात के मौसम में पानी से फैलने वाली बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में ठीक होने के लिए लोग ऐंटिबायॉटिक्स का सहारा लेते हैं। अकसर लोग बिना डॉक्टर की सलाह के ही ऐंटिबायॉटिक्स ले लेते हैं। अगर आप भी बीमार पड़ने पर बिना डॉक्टर से पूछे ऐंटिबायॉटिक्स दवाइयां खाते हैं तो सावधान हो जाइए। आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल आपको अन्य बीमारियों के प्रति असुरक्षित बना सकता है क्योंकि इससे कई अच्छे बैक्टीरिया मर जाते हैं। ज्यादा इस्तेमाल से शरीर में ऐंटिबायॉटिक्स के लिए प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है। ऐसे में हो सकता है कि जरूरत पड़ने पर शरीर को इसका फायदा न पहुंचे। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स खाने से बेहतर होगा कि आप बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक रहें और उनसे बचने की कोशिश करें।

बेवजह न करें ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल

जेल से घर लौटे अल्लू, मिलने पहुंचे विजय देवरकोंडा

पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में हुई महिला की मौत मामले में शुक्रवार को अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया गया, उन्हें जमानत मिल गई है। एक दिन जेल में रहकर शनिवार सुबह वह घर पहुंचे। जेल से निकलकर अल्लू अर्जुन अपने घर आकर आ गए हैं। अब उनके घर पर मिलने वालों का तांता लग गया है। कुछ देर साउथ फिल्मों के फेमस एक्टर विजय देवरकोंडा भी अल्लू अर्जुन के घर पहुंचे हैं। विजय और अल्लू लंबे समय से जिगरी दोस्त हैं। इमोशनल हो गए विजय देवरकोंडा अल्लू अर्जुन को घर पर देखकर विजय का चेहरा खिल उठा। वह अपने दोस्त को देखकर इमोशनल हो गए। विजय ने अल्लू को देखते ही गले लगा लिया। दोनों बहुत देर तक गले मिलते रहे। ऐसा लग रहा था कि विजय देवरकोंडा को अल्लू अर्जुन के जेल जाने का बहुत दुख हुआ। अल्लू अर्जुन से मिलने के बाद विजय देवरकोंडा परिवार के बाकी सदस्यों से मिले, जिसमें अल्लू अर्जुन के पिता भी शामिल रहे। इसके बाद अल्लू अर्जुन और विजय देवरकोंडा साथ में बैठकर काफी देर तक बात करते रहे। अल्लू, विजय से कुछ कहते हुए नजर आए, ऐसा लग रहा था कि वह कल की पूरी घटना का जिक्र कर रहे हैं। विजय भी ध्यान से अल्लू अर्जुन की बातों को सुन रहे थे।

सच्चे दोस्त का फर्ज निभाया

अल्लू अर्जुन को शनिवार सुबह घर आए हुए कुछ ही देर हुई थी, इतने में ही विजय देवरकोंडा उनके घर पहुंच गए थे। इससे पता चलता है कि दोनों की दोस्ती कितनी गहरी है। अपने दोस्त अल्लू अर्जुन के मुश्किल समय में विजय उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं। विजय के अलावा अल्लू अर्जुन से मिलने के लिए प्रोड्यूसर दिल राजू, डायरेक्टर कोराटाला शिवा भी पहुंचे। एक्टर चिरंजीवी की पत्नी भी मिलने पहुंची विजय देवरकोंडा के बाद चिरंजीवी की पत्नी और अल्लू अर्जुन की बुआ सुरेखा भी उनसे मिलने घर पर पहुंची हैं। वह भी अल्लू अर्जुन के गले लगीं। बहुत देर तक प्यार से अल्लू अर्जुन से बात करती रहीं। साथ ही अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद से भी सुरेखा ने बातचीत की।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने प्रियंका चोपड़ा को किया सम्मानित

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस हाल ही में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 (आरएसआईएफएफ) का हिस्सा बनीं। कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभिनेत्री ने कहा कि वह लोगों को एक साथ लाने की मनोरंजन की यूनिवर्सल पावर में विश्वास रखती हैं।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा जोन रेड सी ऑनरी, वियोला डेविस में शामिल हो गई हैं। यह फिल्म महोत्सव स्क्रीन पर और व्यापक फिल्म इंडस्ट्री के भीतर उनके सफल करियर और उपलब्धियों का जश्न मना रहा है। इस दौरान अभिनेत्री ने कहा, रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहचाने जाने से मैं अभिभूत हूं, यह कहानी कहने का उत्सव है जो भाषा, सीमाओं और सांस्कृतिक विभाजनों से परे है।

अभिनेत्री ने की रेड सी टीम की सराहना

प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा, मैंने हमेशा लोगों को एक साथ लाने के लिए मनोरंजन की यूनिवर्सल पावर में में विश्वास किया है, और न केवल हॉलीवुड या बॉलीवुड के भीतर बल्कि दुनिया भर में बताई जा रही कहानियों की अविश्वसनीय प्रतिभा और विविधता को प्रदर्शित करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए मैं रेड सी टीम की सराहना करती हूं। उन्होंने आगे उल्लेख किया, इंडस्ट्री में लगभग 25 वर्षों को प्रतिबिंबित करते हुए, मुझे याद आता है कि मैं कितनी भाग्यशाली रही हूं कि मैं ऐसी कहानी कहने और उसमें योगदान देने में सक्षम रही हूं जो दृष्टिकोण को चुनौती देती है, बदलाव को प्रेरित करती है और हम सभी को जोड़ती है। यह मान्यता इस बात की याद दिलाती है कि मुझे सबसे पहले फिल्में बनाने का शौक क्यों हुआ। इस विशेष सम्मान के लिए और वैश्विक सिनेमा की असाधारण कलात्मकता को उजागर करने के उनके प्रयासों के लिए रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल को मेरा आभार।

अपने दूसरे हॉलीवुड प्रोजेक्ट के लिए तैयार धनुष

अभिनेता और फिल्म निर्माता धनुष कई परियोजनाओं में व्यस्त हैं, जिनमें तेलुगु फिल्म कुबेरा, उनकी तमिल निर्देशित परियोजनाएं नीलावु एनमेल एन्नाडी कोबाम और इडली कड़ाई, हिंदी फिल्म तेरे इश्क में और तमिल फिल्म इलैयाराजा बायोपिक शामिल हैं। वहीं, अब अभिनेता की नई फिल्म के बारे में जानकारी सामने आई है। अब धनुष के प्रशंसकों के लिए एक अच्छी खबर है कि अभिनेता रूसो ब्रदर्स की द ग्रे मैन के साथ अपनी शुरुआत के बाद अपनी दूसरी हॉलीवुड फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। धनुष की दूसरी हॉलीवुड फिल्म धनुष के बारे में नई खबरें हैं कि उन्होंने अपनी दूसरी हॉलीवुड फीचर फिल्म साइन कर ली है। इस बार वह अभिनेता सिडनी स्वीनी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे, जो वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड और मैडम वेब जैसी फिल्मों में दिखाई दिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का नाम स्ट्रीट फाइटर है और इसे सोनी प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित किया जाएगा।

अल्लू अर्जुन के समर्थन में आए तेलुगु अभिनेता नानी

अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद कई अभिनेता उनके समर्थन में उतर रहे हैं। अब तेलुगु अभिनेता नानी, अल्लू अर्जुन के समर्थन में सामने आए हैं। अभिनेता ने गिरफ्तारी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी को इस घटना से सीख लेनी चाहिए और भविष्य में अधिक सावधान रहना चाहिए। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर अभिनेता नानी ने एक पोस्ट करते हुए लिखा, काश, सिनेमा से जुड़े लोगों से जुड़ी किसी भी चीज में सरकारी अधिकारी और मीडिया जिस तरह का उत्साह दिखाते हैं, वैसा ही उत्साह आम नागरिकों के लिए भी होता। हम एक बेहतर समाज में रहते। अभिनेता ने आगे लिखा, वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और यह दिल तोड़ने वाली थी। हम सभी को इस आपदा से सीख लेनी चाहिए और इसके बाद और अधिक सावधान रहना चाहिए तथा यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने चाहिए कि यह फिर न हो। हम सभी इसके लिए जिम्मेदार हैं। इसके लिए एक व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है।

वरुण धवन ने भी लिया पक्ष

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन भी अल्लू अर्जुन के समर्थन में सामने आए और कहा कि अभिनेता को हर चीज के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जयपुर में 'बेबी जॉन' के प्रचार में, वरुण ने कहा, सुरक्षा प्रोटोकॉल ऐसी चीज नहीं है जिसे कोई अभिनेता खुद पर ले सकता है। हम अपने आस-पास के लोगों को बता सकते हैं। अभिनेता ने संध्या थिएटर में हुए हादसे को दुखद भी बताया। 4 दिसंबर को 'पुष्पा 2: द रूल' की स्क्रीनिंग के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में हुई भगदड़ में 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद अल्लू अर्जुन और उनकी टीम पर मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद अभिनेता अल्लू अर्जुन ने घटना पर शोक और दुख जताया था। उन्होंने कहा था, संध्या थिएटर में हुई दुखद घटना से मैं बहुत दुखी हूं। इस अकल्पनीय कठिन समय में मैं शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे इस दर्द में अकेले नहीं हैं और मैं व्यक्तिगत रूप से परिवार से मिलूंगा। अभिनेता ने आगे कहा, हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपके साथ हैं। मैं 25 लाख रुपये की राशि दान करना चाहता हूं। यह उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक सद्भावनापूर्ण कदम है।

टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करेंगी हरनाज संधू

साल 2021 में मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम करनी वाली हरनाज कौर संधू बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। उनके हाथ हिंदी फिल्म लगी है। हरनाज टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। शायद नाम आप समझ गए हों! जी हां, हरनाज को बागी 4 में साइन किया गया है। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी पुष्टि की है। फिल्म बागी 4 के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने हरनाज को साइन किया है। आज गुरुवार को नाडियाडवाला ग्रैंडसन के इंस्टाग्राम पेज से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें हरनाज की तस्वीर है। इसके साथ लिखा है, मिस यूनिवर्स से बागी यूनिवर्स तक! हम आपको नई प्रतिभा से मिला रहे हैं। बागी 4 में लेडी रिबेल। इस फिल्म का निर्देशन एच हर्षा कर रहे हैं। फिल्म बागी 4 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। आज की तारीख हरनाज के लिए यूं भी खास है। साल 2021 में हरनाज ने आज ही के दिन मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। 12 दिसंबर 2021 में वे मिस यूनिवर्स बनीं। और आज 12 दिसंबर 2024 को उनके बॉलीवुड डेब्यू की खबर सामने आई है।

कीर्ति सुरेश को सामंथा ने दी शादी की शुभकामनाएं

12 दिसंबर को साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने गोवा में एक निजी समारोह के दौरान एंथनी थाटिल के साथ शादी की। कीर्ति ने अपनी शादी की तस्वीरों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीर्ति की। शादी के बाद फिल्म जगत से उन्हें बधाईयां मिलने लगीं। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अभिनेत्री को शादी की शुभकामनाएं दी। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सामंथा ने दोनों की प्यारी सी पोस्ट साझा की सामंथा ने लिखा, इस तस्वीर ने मेरा दिल जीत लिया। दो बेहद खूबसूरत लोगों को बधाई, आप हमेशा खुशी और शांति से भरे रहें।

सीआईडी की वजह से सिंघम फ्रेंचाइजी की फिल्में मिलीं

सीआईडी का नया सीजन जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। इस बार फिर से दर्शकों को दया के रूप में दयानंद शेट्टी का पसंदीदा किरदार देखने को मिलेगा। अपने जन्मदिन के मौके पर दयानंद शेट्टी ने खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने न सिर्फ सीआईडी के नए सीजन के बारे में अपने विचार साझा किए, बल्कि अजय देवगन के साथ काम करने के अनुभव और दिलजले फिल्म को लेकर भी दिलचस्प खुलासा किया।

सीआईडी शो एक बार फिर से शुरू हो रहा है। इस नए सीजन में दर्शकों को क्या नया देखने को मिलेगा? कौन से खास बदलाव या नए ट्विस्ट होंगे?

सीआईडी शो 21 वर्षों तक अपने समय से आगे था। अब जब अपराध अधिक हाईटेक हो गए हैं, तो हमें भी अपनी जांच के तरीके में बदलाव लाना पड़ा है। शो का फ्लेवर वही रहेगा, लेकिन अब हम अपराधियों के नए तरीकों के हिसाब से जांच करेंगे।

90 के दशक में जब यह शो शुरू हुआ था, उस समय और आज के टीवी इंडस्ट्री में काम करने के तरीकों में आपने क्या प्रमुख बदलाव महसूस किए हैं?

बहुत बदलाव आया है। पहले लंबे शॉट्स होते थे, लेकिन अब तकनीकी विकास के साथ फिल्मांकन और कहानी कहने के तरीके में काफी बदलाव आया है। अब सब कुछ बहुत ज्यादा आधुनिक हो गया है, जिससे शूटिंग और एपिसोड्स की गति भी तेज हो गई है।

सीआईडी से पहले आप फिल्म दिलजले में नजर आए थे?

नहीं, यह जानकारी गलत है। मैंने कभी दिलजले में काम नहीं किया और न ही यह फिल्म देखी है। मैंने भी इंटरनेट पर इसके बारे में पढ़ा है। मेरी पहली फिल्म जॉनी गद्दार थी, जिसमें मैंने सीआईडी के दौरान काम किया था।

आपने सिंघम रिटर्न्स और सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ काम किया। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अजय देवगन के साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। क्राफ्ट के प्रति समझ और समर्पण ने उन्हें बड़ा स्टार बनाया है। सिंघम फ्रेंचाइजी में काम मिलने का श्रेय सीआईडी को जाता है, क्योंकि मेरे किरदार की लोकप्रियता के कारण ही मुझे ये फिल्में मिलीं।

सिंघम अगेन में करीना कपूर का दया दरवाजा तोड़ डायलॉग बहुत लोकप्रिय हुआ। क्या आपको इस डायलॉग की वजह से फिल्म में कास्ट किया गया था?

दया दरवाजा तोड़ एक साधारण सी लाइन थी, लेकिन यह बहुत लोकप्रिय हो गई। फिल्म में यह लाइन रोहित शेट्टी की सोच का नतीजा थी। सिंघम रिटर्न्स में अजय देवगन ने यह लाइन बोली थी और सिंघम अगेन में करीना कपूर ने। रोहित शेट्टी का दृढ़ विश्वास था कि इस लाइन पर लोग तालियां बजाएंगे।

सीआईडी पर सोशल मीडिया पर अक्सर मीम्स बनते हैं। आप इस पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं? क्या कोई खास मीम है जो आपको बहुत पसंद आया हो?

मीम्स तो बहुत से हैं। लोग सीआईडी के वीडियो पर डब करके मीम्स बनाते हैं और यह दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। मुझे अच्छा लगता है कि लोग इस शो को इतना पसंद करते हैं और इस शो के जरिए वे अपनी यादों को ताजा करते हैं। बहुत से लोग हमसे मिलते हैं और अपने शानदार बचपन के लिए हमें धन्यवाद देते हैं। लोगों को हंसी से भरे ये मीम्स अच्छे लगते हैं और हमें भी यह देखकर अच्छा लगता है कि लोगों में यह शो कितना ज्यादा लोकप्रिय है।

शिवाजी साटम और आदित्य श्रीवास्तव के साथ आपकी केमिस्ट्री कैसी है? क्या आप तीनों शूटिंग के बाद भी एक-दूसरे से मिलते रहते हैं?

हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। छह साल हमारा शो ऑफ एयर था, लेकिन हम लोग लगातार मिलते जुलते रहते थे। हमने सीआईडी के बाद सीआईएफ नाम का शो भी किया था। उसमें शिवा जी सर तो नहीं थे, लेकिन आदित्य सर, फेडी सर और सीआईडी की टीम के बाकी लोग थे। इसके अलावा हमने साथ में काफी विज्ञापन भी किए। हम एक-दूसरे को परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं। शिवाजी सर को हम बड़े भाई की तरह मानते हैं और आदित्य सर भी मेरे बड़े भाई की तरह हैं। सेट पर हम सभी एक-दूसरे को बहुत इज्जत देते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णा टेकरीवाल के द्वारा कदम कुआं पटना से प्रकाशित। खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 9801716267